वर्ष : 17 ❖ अंक : 207 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 04 मार्च 2023

बीजेपी को दिलाएंगे पूर्ण बहुमत, कर्नाटक के लोगों ने खाई है कसम : अमित शाह 3

देश को बदनाम करना राहुल गांधी की आदत बन गई है : अनुराग ठाकुर 8

सीएम ने 'अम्मा सशक्तिकरण योजना' का किया औपचारिक उद्घाटन

बदले की भावना से नहीं होगी राजनीति : गोले

'चामलिंग का समय अब खत्म हो चुका है'

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 मार्च । सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के विगत 01 फरवरी से शुरू हुए माहव्यापी 'घर दाइलो अभियान' का आज रंगपो में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के माध्यम से समापन हो गया। इस अवसर पर एसकेएम पार्टी अध्यक्ष एवं राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 16,000 माताओं को 20,000 रुपये वितरित करने की शुरुआत की। कार्यक्रम में 32 महिला लाभार्थियों को 20 हजार रुपये के चेक सौंपे गए। शेष 15,968 माताओं को कल्याण राशि स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम में उनके संबंधित बैंक खातों में या राज्य के विभिन्न गांवों में उनके संबंधित ब्लॉक मंडल अधिकारियों के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

सभा को संबोधित करते हुए सीएम गोले ने कहा कि एक ही दिन में 16,000 चेक सौंपना लगभग असंभव था। उन्होंने कहा कि हालांकि शेष लाभार्थियों को पैसा सीधे उनके स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम बैंक खातों में प्राप्त होगा। हम चाहते हैं कि लाभार्थियों का स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम में खाता हो, क्योंकि यह राज्य का अपना बैंक है और राज्य के हर गांव में मौजूद है जिससे लाभार्थियों के लिए अपने फंड का उपयोग करना आसान हो जाता है। उनहोंने कहा कि हर वर्ष राशि में वृद्धि की जाएगी। सीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए पिता या पति को राशि नहीं दी जाएगी, क्योंकि माताओं को समाज का अधिक भरोसेमंद सदस्य माना जाता है।

कल्याणकारी योजना के विशेष रूप से मातृ-उन्मुख होने का कारण बताते हुए सीएम गोले ने कहा, गृहिणियों के पास, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, आय का कोई स्रोत नहीं है। 20,000 रुपये उनके कल्याण के लिए हैं। वे राशि का उपयोग अपने स्वयं के लाभ, अपने बच्चों की शिक्षा, या यहां तक कि अपने परिवार की स्वास्थ्य देखभाल के लिए कर सकती हैं। अतीत में, सरकारों ने पार्टी के झंडे ले जाने से लेकर पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए उन्हें लुभाने और धमकाने तक, राजनीतिक लाभ के लिए माताओं का दुरुपयोग किया है। एसकेएम माताओं और महिलाओं के कल्याण के लिए काम करती है, न कि उन्हें राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने के लिए।

सीएम गोले ने यह भी बताया कि अधिक महिलाएं कल्याण योजना में शामिल होंगी, क्योंकि अभी भी कई महिलाओं को लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज को पूरा करना बाकी है। उन्होंने उल्लेख किया कि आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण अभी भी 1,000 से अधिक माताओं को शॉर्टलिस्ट करने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे घोषणा की कि हर साल, तीन माताओं को कल्याण योजना से कल्याण राशि के इष्टतम उपयोग के लिए चुना जाएगा। तीनों माताओं को रैंक दी जाएगी और उन्हें 3 लाख, 2 लाख, और 1 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जएगा।

समारोह में पूर्व मंत्री जीएम गुरुंग, सीबी कार्की और कई अन्य नेता एसकेएम पार्टी में शामिल भी हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 32 निर्वाचन क्षेत्रों के लाखों लोगों की उपस्थिति में अम्मा सशक्तिकरण योजना का औपचारिक उद्घाटन करते हुए इसके पहले चरण में इन क्षेत्रों की महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता राशि वितरण भी शुरू किया।

इसके अलावा उन्होंने वात्सल्य योजना और केंद्रीय सशस्त्र बल के शहीद जवानों की पत्नियों को भी सहायता प्रदान की।

वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने एसडीएफ पार्टी के स्थापना दिवस पर सिक्किम को बंद नहीं करने की घोषणा की और कहा कि वह बदले की भावना से राजनीति नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि शोक दिवस मनाना एसडीएफ पार्टी के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि पार्टी ने राज्य के लोगों को शोषण और धोखा ही दिया है। उन्होंने मंच से यह सुझाव भी दिया कि पवन चामलिंग को राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब चामलिंग का समय समाप्त हो चुका है और उनके अपरिपक्व व्यवहार ने उन्हें जनता के सामने नंगा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी राजनीति सिक्किम के लिए नहीं, बल्कि अपनी बेटी कोमल चामलिंग के लिए है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि जब वह सत्ता में थे तब उन्होंने गरीबों का भाग्य छिन लिया और परिवारवाद को प्राथमिकता देते हुए अपनी बेटी को हावर्ड में शिक्षित किया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोमल चामलिंग राजनीति में आती हैं तो सिक्किम के लोगों को डरने की कोई बात नहीं है और राज्य की जनता 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपना जवाब देगी। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एसकेएम पार्टी 32 में से 32 सीटें जीतेगी।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वर्तमान राज्य सरकार राज्यवासियों के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से मौजूदा सरकार ने महज 27 दिनों में ही राज्य के नेपाली समुदाय पर लगे विदेशी होने के दाग को दूर करने में सफलता पाई है। हालांकि कई लोगों ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकासमूलक परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

वहीं समापन कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जीएम गुरूंग ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से एसडीएफ पार्टी छोड़ने और एसकेएम में सलाहकार के रूप में शामिल होने के लिए भी कहा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी निश्चित रूप से अपनी सरकार की स्वर्ण जयंती मनाएगी। कार्यक्रम का संचालन पार्टी प्रवक्ता जैकब खालिंग ने किया।

उद्यमशीलता कौशल विकसित करें युवा : गोविल

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 03 मार्च । केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत 'युवा संगम' कार्यक्रम का आज रावांग्ला स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर एनआईटी निदेशक महेश चंद्र गोविल, एसडीएम सुश्री त्रिसांग तमांग, उप पर्यटन निदेशक लामिन थेंग, एनआईटी नोडल अधिकारी राम नेपाल के साथ फैकल्टी सदस्यगण और छात्र उपस्थित थे।

गौरतलब है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं को शेष भारत से जोड़ने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत ओडिशा की 36 सदस्यीय एक टीम पांच दिवसीय दौरे पर सिक्किम आई है। इस टीम में 31 छात्र और 5 समन्वयक शामिल हैं। इस पहल के अंतर्गत युवा संगम कार्यक्रम

की मेजबानी राज्य के नोडल संस्थान के रूप में रावांग्ला एनआईटी कर रही है।

आज इसके उद्घाटन अवसर पर अपने सम्बोधन में एनआईटी निदेशक महेश चंद्र गोविल ने ओडिशा के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए युवाओं को राज्य की विविध संस्कृति, इतिहास एवं उपलब्धियों को जानने व सीखने का अवसर प्रदान करने वाले युवा संगम के महत्व एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल पूर्वोत्तर और शेष भारत के युवाओं में सांस्कृतिक जागरुकता एवं राष्ट्रवाद की भावना पैदा करेगी।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में युवाओं के योगदान पर चर्चा करते हुए उन्हें नौकरी की तलाश में न गल कर उद्यमशीलता कौशल विकसित कर नौकरी देने वाला बनने हेतु प्रोत्साहित किया। वहीं एसडीएम सुश्री त्रिसांग तामंग ने यहां छात्रों को अपने प्रवास के दौरान सांस्कृतिक एवं सामाजिक जुड़ाव की श्रेष्ठ प्रथाओं और अनुभवों को सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

वहीं इस दौरान रावांग्ला जेएनवी के छात्रों और नामची नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवकों द्वारा क्रमशः सिक्किम के विभिन्न समुदायों के सांस्कृतिक प्रदर्शन और एक भारत श्रेष्ठ भारत पर स्किट ख्रले का भी प्रदर्शन किया गया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के बीच बातचीत और आपसी समझ को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए मंगन की टीम

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 03 मार्च । उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले की एक टीम ने 2 मार्च को नई दिल्ली में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के 18वें स्थापना दिवस में भाग लिया। इस टीम में सुश्री चुकेला लेप्चा (ही ग्याथांग गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल) और सुश्री तेन्जिंग लाचेन्पा (मंगन गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल) के साथ डीसीपीओ (मंगन), सुश्री वेंडी मैयर लेप्चा भी शामिल थीं।

मंगन जिला आयोग द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित देश के 75 सीमावर्ती जिलों में से एक था, जिसमें दो किशोरियों ने बाल अधिकार दूत के रूप में भाग लिया। 18वें स्थापना दिवस की थीम थी बालिकाओं को सशक्त

बनाना था। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्रीमती जुबिन ईरानी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय श्री प्रियांक कानूनगो, अध्यक्ष, एनसीपीसीआर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

लालच ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह बढ़ाया, अदालतें कड़ी कार्रवाई करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि धन के लिए अतृप्त लालच ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह विकसित करने में मदद की है। संवैधानिक अदालतों का देश के लोगों के प्रति कर्तव्य है कि वे भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता दिखाएं और अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि धन के समान वितरण को हासिल करने का प्रयास कर भारत के लोगों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संविधान के 'प्रस्तावना के वादे' को प्राप्त करने में भ्रष्टाचार एक प्रमुख बाधा है। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें राज्य के पूर्व प्रिंसिपल सेक्रेटरी अमन सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दर्ज को रद्द कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, 'यद्यपि यह भारत के लोगों को धन के समान वितरण को प्राप्त करने के लिए प्रयास करके सामाजिक न्याय को सुरक्षित करने के लिए संविधान का प्रस्तावना वादा है, यह अभी तक एक दूर का सपना है। यदि मुख्य नहीं, तो प्रगति प्राप्त करने के लिए अधिक प्रमुख बाधाओं में से एक है। यह क्षेत्र निस्संदेह भ्रष्टाचार है।

पीठ ने कहा, 'भ्रष्टाचार एक अस्वस्थता है, जिसकी उपस्थिति जीवन के हर क्षेत्र में व्याप्त है। यह अब शासन की गतिविधियों तक सीमित नहीं है, अफसोस की बात है कि जिम्मेदार नागरिक कहते हैं कि यह किसी के जीवन का एक तरीका बन गया है।' शीर्ष अदालत ने कहा कि यह पूरे समुदाय के लिए शर्म की बात है कि हमारे संविधान निर्माताओं के मन में जो ऊंचे आदर्श थे, उनका पालन करने में लगातार गिरावट आ रही है और समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास तेजी से बढ़ रहा है।

कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में हिंदू धर्म का भी उल्लेख किया। कहा, 'भ्रष्टाचार की जड़ का पता लगाने के लिए अधिक बहस की आवश्यकता नहीं है। हिंदू धर्म में सात पापों में से एक माना जाने वाला 'लालच' अपने प्रभाव में प्रबल रहा है। वास्तव में, धन के लिए अतृप्त लालच ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह विकसित करने में मदद की है। यदि भ्रष्टाचारी कानून लागू करने वालों को धोखा देने में सफल हो जाते हैं, तो उनकी सफलता पकड़े जाने के डर को भी खत्म कर देती है। वे इस अहंकार में डूबे रहते हैं कि नियम और कानून विनम्र लोगों के लिए हैं न कि उनके लिए। पकड़ा जाना उनके लिए पाप है।'

बार एसोसिएशन से तकरार बढ़ी, होली मिलन कार्यक्रम में नहीं गए चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन (एससीबीए) की ओर से आयोजित होली मिलन कार्यक्रम से दूरी बना ली। इसमें उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना था। बृहस्पतिवार को अख्रपू घर की जमीन वकीलों के चैम्बर के लिए आवंटित करने से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश और एससीबीए प्रमुख विकास सिंह के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी। प्रधान न्यायाधीश को वरिष्ठ अधिवक्ता को यह निर्देश देना पड़ा था कि वह ऊंची आवाज में नहीं बोलें और अदालत कक्ष से बाहर चले जाएं।

एससीबीए ने शुक्रवार को एक काव्य पाठ का आयोजन किया था, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। अशोक चक्रधर और शंभू शिखर जैसे प्रख्यात कवियों ने कार्यक्रम में अपनी कविताओं का पाठ किया।

एससीबीए के अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को मामलों के उल्लेख के दौरान न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ के समक्ष कहा था कि वह पिछले छह महीने से इस विषय को सूचीबद्ध कराने की मशक्कत कर रहे हैं।

सिंह ने कहा, एससीबीए की याचिका पर अख्रपू घर की जमीन उच्चतम न्यायालय को मिली और एससीबीए को बेमन से केवल एक ब्लॉक दिया गया। पूर्व प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण के कार्यकाल में इस भूमि पर निर्माण कार्य शुरू होना था। पिछले छह महीने से हम मामले को सूचीबद्ध कराने की जद्दोजहद में लगे हैं। मुझे एक साधारण वादी की तरह समझा जाए।

तब प्रधान न्यायाधीश ने कहा, आप इस तरह जमीन नहीं मांग सकते। आप हमें एक दिन बताइए, जब हम पूरे दिन बेकार बैठे हों।

इस पर सिंह ने कहा, मैंने यह नहीं कहा कि आप पूरे दिन बेकार बैठे हैं। मैं केवल मामले को सूचीबद्ध कराने की कोशिश कर रहा हूं। अगर ऐसा नहीं किया जाता तो मुझे इस मामले को आपके आवास तक ले जाना होगा। मैं नहीं चाहता कि बार इस तरह का व्यवहार करे।

इस पर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ नाराज हो गये। उन्होंने कहा, प्रधान न्यायाधीश को धमकी मत दीजिए। क्या इस तरह का बर्ताव होना चाहिए? कृपया बैठ जाइए। इसे इस तरह सूचीबद्ध नहीं किया जाएगा। कृपया मेरी अदालत से जाइए। मैं

इस तरह (मामले को) सूचीबद्ध नहीं करूंगा। आप मुझ पर दबाब नहीं बना सकते।

उन्होंने कहा, मिस्टर विकास सिंह, अपनी आवाज इतनी ऊंची मत कीजिए। अध्यक्ष के रूप में आपको बार का संरक्षक और नेतृत्वकर्ता होना चाहिए। मुझे दुख है कि आप संवाद का स्तर गिरा रहे हैं। आपने अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर की है और दावा किया है कि उच्चतम न्यायालय को आवंटित जमीन चैंबर के निर्माण के लिए बार को दे देनी चाहिए। हम मामले के आने पर इसे देखेंगे। आप अपने हिसाब से हमें चलाने की कोशिश मत कीजिए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आप न्यायालय को आवंटित जमीन बार को देने के लिए कह रहे हैं। मैंने अपना फैसला सुना दिया है। यह मामले पर 17 तारीख (मार्च) को सुनवाई होगी और यह मुकदमों की सूची में पहले नंबर पर नहीं होगा।

असम के निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई को राहत

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता संशोधन अधिनियम-विरोधी प्रदर्शनों और माओवादियों से कथित संबंध के एक मामले में असम के निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई को गिरफ्तारी से मिले संरक्षण की अवधि शुक्रवार को 13 मार्च तक बढ़ा दी। सीएए के विरोध के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ काफी मुखर रहे गोगोई ने गौहाटी उच्च न्यायालय के नौ फरवरी के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें इसने असम की विशेष एनआईए अदालत को उनके (गोगोई के) खिलाफ दो में से एक मामले में आरोप तय करने की अनुमति दी थी।

न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यन और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील के उपलब्ध न होने के कारण मामले को 13 मार्च के लिए टाल दिया। पीठ ने कहा, 'अगली तारीख तक अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा।' राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इससे पहले शीर्ष अदालत से कहा था कि गोगोई को जमानत नहीं दी जा सकती क्योंकि वह राज्य में माओवादी गतिविधियों के कथित सरगना हैं, हालांकि विधायक ने कहा था कि उनके खिलाफ मामले 'राजनीतिक प्रतिशोध' का परिणाम थे।

इससे पहले, उच्च न्यायालय ने एनआईए को गोगोई और उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ विशेष अदालत में सीएए-विरोधी प्रदर्शनों और माओवादियों से कथित संबंध के मामले में आरोप तय करने की अनुमति दी थी। गोगोई के तीन सह-आरोपियों में ढैज्या कोंवर, बिट्टू सोनोवाल और मानश कोंवर शामिल थे। इन सभी को एनआईए मामले में जमानत मिल गई और वे जेल से बाहर हैं।

बिहार के मजदूरों पर हमले की खबर झूठी... तमिलनाडु के श्रम मंत्री बोले- शांति के लिए जाना जाता है प्रदेश

चेन्नई, 03 मार्च (एजेन्सी)। तमिलनाडु के कई इलाकों में बिहार के लोगों के साथ हुई कथित मारपीट का मामला गरमा गया है। बिहार विधानसभा में मचे हंगामे के बीच तमिलनाडु के श्रम कल्याण और कौशल विकास मंत्री सीवी गणेशन ने बकायदा बयान जारी कर मामले को झूठा बताया है। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर फैलाई गई खबर में कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में उत्तर भारत के मजदूरों पर हमला होने की खबरें वायरल हैं। मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु शांति के लिए जाना जाता है और ऐसी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

तमिलनाडु के श्रम कल्याण और कौशल विकास मंत्री सीवी गणेशन ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि उत्तर भारत के लोगों सहित तमिलनाडु में हर कोई जानता है कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं यह बताना चाहता हूं कि तमिलनाडु में न केवल उत्तर के श्रमिक बल्कि सभी राज्य के श्रमिक बिना किसी डर के शांतिपूर्वक और कुशलता से काम कर रहे हैं।

इससे पहले तमिलनाडु के डीजीपी सी सिलेंद्र बाबू ने कहा था कि तमिलनाडु में बिहार प्रवासी श्रमिकों पर हमले को दर्शाने वाले वीडियो झूठे हैं, पुलिस ऐसे वीडियो फैलाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा था कि किसी ने झूठा और शरारती वीडियो पोस्ट किए है कि प्रवासी श्रमिकों पर हमला किया गया था। दो मजदूरों पर हमले वाले वीडियो दोनों झूठे हैं। दोनों घटनाएं बहुत पहले हुई थीं और यह टकराव तिरुपुर और कोयम्बटूर में प्रवासी श्रमिकों और स्थानीय लोगों के बीच नहीं था।

दरअसल प्रवासी उत्तर भारतीय मजदूरों पर हाल ही में दो हमले हुए, एक 14 जनवरी को तिरुपुर में और दूसरा 14 फरवरी को कोयम्बटूर में। पहली घटना प्रवासी मजदूरों और स्थानीय लोगों के बीच तिरुपुर की एक कपड़ा फैक्ट्री में हुई थी और दूसरी घटना कोयम्बटूर के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज कैंटीन में भोजन के मुद्दे पर हुई थी। स्थानीय लोगों और पुलिस के हस्तक्षेप से दोनों को सुलझा लिया गया।

जस्टिस अमित शर्मा बने दिल्ली हाईकोर्ट में स्थायी न्यायाधीश

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीशों की सूची के अलावा, न्यायमूर्ति अमित शर्मा की नियुक्ति के लिए एक अधिसूचना जारी की है, जो पहले एक अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में अभ्यास कर रहे थे।

कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को इलाहाबाद, बॉम्बे, दिल्ली और मद्रास के उच्च न्यायालयों में स्थायी न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किए गए अतिरिक्त न्यायाधीशों की सूची को जारी करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। रिजिजू ने ट्वीट किया, संविधान के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार, निम्नलिखित अतिरिक्त न्यायाधीशों को संबंधित उच्च न्यायालयों के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

केंद्र ने 31 मई, 2022 को न्यायमूर्ति शर्मा की नियुक्ति को अधिसूचित किया था, इसके बाद उन्होंने 1 जून, 2022 को शपथ ली।

शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने नवंबर 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनके नाम की सिफारिश की थी और पिछले महीने उन्होंने सिफारिश की थी कि न्यायमूर्ति शर्मा को स्थायी न्यायाधीश बनाया जाए।

कॉलेजियम ने कहा था, सभी प्रासंगिक कारकों के संबंध में, उसका विचार है कि न्यायमूर्ति अमित शर्मा, अतिरिक्त न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के लिए उपयुक्त हैं।

जनवरी में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी सर्वसम्मति से इसके लिए उनके नाम की सिफारिश की थी।

चुनाव नतीजे जारी होने के बाद भड़की हिंसा, कई इलाकों में लगाया गया कर्फ्यू

शिलॉग, 03 मार्च (एजेन्सी)। मेघालय में चुनाव नतीजे जारी होने के बाद गुरुवार को हिंसा भड़क गई। कम से कम तीन विधानसभा क्षेत्रों में हिंसा हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया, हिंसा के बाद शुक्रवार को ईस्टर्न वेस्ट खासी हिल्स के मईरंग निर्वाचन क्षेत्र, शेल्ला और वेस्ट जयंतिया हिल्स के मोवकैव में धारा 144 लागू की गई है। अधिकारियों ने बताया, अगले आदेश तक शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक रात के कर्फ्यू की घोषणा की गई है। इस दौरान मवासावा, सांगशोंग, उमविचसुप और मैरांग मिशन में सभी सरकारी कार्यालयों के पास पांच से ज्यादा इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, मईरंग विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणामों पर कांग्रेस समर्थकों ने असंतोष जताया। उन्होंने डीसी कार्यालय का घेराव किया, जिसके बाद हिंसा भड़ गई। डीसी कार्यालय परिसर में खड़े कई वाहनों में आग लगा दी गई। अधिकारियों ने बताया, कल रात हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए।

इस दौरान घटना स्थल से रहस्यमय स्थिति में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। इसी तरह सोहरा में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के समर्थकों ने शेल्ला विधानसभा क्षेत्र के परिणामों से निराश होने के बाद एसडीओ के कार्यालय पर पथराव किया। वेस्ट जयंतिया हिल्स के मोवकैव में भी दो गुटों में हुई झड़प के मद्देनजर सहसनियांग गांव में कर्फ्यू लगा दिया।

पूर्व मंत्री सत्यब्रत मुखर्जी का कोलकाता में निधन

कोलकाता, 03 मार्च (एजेन्सी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य मंत्री सत्यब्रत मुखर्जी का शुक्रवार को उनके आवास पर आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे।

मुखर्जी 1999 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में रसायन और उर्वरक और वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री थे।

मुखर्जी, जिन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी काम किया, सर्वोच्च न्यायालय और कलकत्ता उच्च न्यायालय के साथ एक उच्च-प्रोफाइल अभ्यास वकील थे।

वह 1999 से 2004 तक पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के लोकसभा सदस्य चुने गए थे। हालांकि, 2004 में उन्हें उसी निर्वाचन क्षेत्र से माकपा उम्मीदवार और एथलीट से नेता बने ज्योतिर्मयी सिकदर से हार मिली थी।

मुखर्जी कानूनी और राजनीतिक दोनों हलकों में जोलूबाबू के रूप में लोकप्रिय थे। 2008 में, वह पार्टी के पश्चिम बंगाल प्रमुख बने। हालांकि, अगले ही साल उनकी जगह राहुल सिन्हा ने ले ली।

उनका जन्म 8 मई, 1932 को सिलहट में हुआ था, जो अब बांग्लादेश में है। उन्होंने बहुत कम उम्र में एक कॉर्पोरेट वकील के रूप में अपनी पहचान अर्जित की और चार साल पहले भी अपने पेशे में सक्रिय थे।

वह अपने सौहार्दपूर्ण स्वभाव और परोपकारी गतिविधियों के लिए अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच लोकप्रिय थे।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई आज, सीबीआई रिमांड खत्म होने पर कोर्ट में करेगी पेश

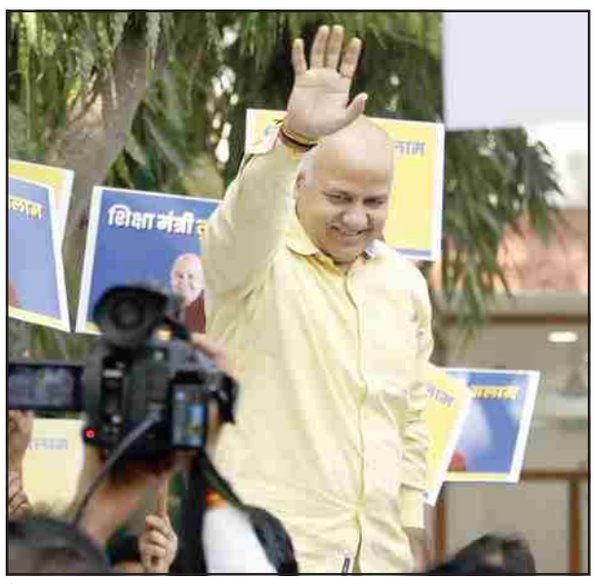

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। कथित आबकारी मामले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया की जमानत अर्जी पर शनिवार को सुनवाई हो सकती है। सीबीआई की पांच दिन की रिमांड अवधि खत्म होने पर चार मार्च को सिसोदिया को न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। सिसोदिया के वकील ऋषिकेश ने कहा कि विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष दायर अर्जी पर सुनवाई होने की संभावना है।

सिसोदिया को 2021-22 की रद्द हो चुकी शराब नीति तैयार करने और इसे लागू करने में कथित भ्रष्टाचार में करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत ने 27 फरवरी को सिसोदिया को सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था ताकि सीबीआई को इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए किए जा रहे सवालों के सही जवाब मिल सके।

सिसोदिया को डीडीयू मार्ग पर स्थित राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। सिसोदिया की कोर्ट में पेशी को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। पुलिसकर्मियों को सुबह पांच बजे ही ड्यूटी पर तैनात होने के आदेश दिए गए हैं। कई मार्गों को बंद किया जाएगा। ऐसे में दिल्ली पुलिस के कुछ हिस्सों में जाम लग सकता है।

दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आप के नेता व समर्थक सीबीआई मुख्यालय व कोर्ट के पास प्रदर्शन कर सकते हैं। इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सीबीआई मुख्यालय को आसपास घेराबंदी की है। आसपास स्थित सभी मार्गों पर बेरिकेड लगाकर जांच की जाएगी। इसके बाद ही लोगों को आगे जाने दिया जाएगा।

लाला लाजपत राय मार्ग, भीष्म पितामह मार्ग, लोधी कॉलोनी आदि मार्गों को कुछ समय के लिए बंद किया जा सकता है। सिसोदिया के कोर्ट में पेश होने तक डीडीयू मार्ग बंद रहेगा। ऐसे में मिंटो रोड, विकास मार्ग से आईटीओ व तिलक मार्ग से डीडीयू मार्ग जाने वाले ट्रैफिक को परिवर्तित किया जाएगा। कई जिलों के उपायुक्त को सुरक्षा व्यवस्था पर खुद निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के बाद सीबीआई की गिरफ्त में आए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपने पद से मंगलवार को ही इस्तीफा दे दिया था। वहीं, जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा भेज दिया था। मुख्यमंत्री ने अपने दोनों वरिष्ठ मंत्रियों का इस्तीफा मंजूर भी कर लिया।

सिसोदिया के पास शिक्षा, वित्त, योजना, भूमि और भवन, सेवाएं, पर्यटन, कला-संस्कृति और भाषा, जागरूकता, श्रम और रोजगार, लोक निर्माण विभाग के अलावा स्वास्थ्य, उद्योग, बिजली, गृह, शहरी विकास, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण व जल विभाग थे। सिसोदिया दिल्ली सरकार में सबसे प्रभावशाली मंत्री थे।

राज्य सरकार के सभी बड़े मंत्रालय उन्हीं के पास थे। सिसोदिया सीएम केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद नेता हैं।

महाराष्ट्र में जाति सत्यापन समितियां भ्रष्टाचार का केंद्र : फडणवीस

मुंबई, 03 मार्च (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में जाति सत्यापन समितियों को लेकर कई बार विवाद सामने आ चुका है। हालांकि सरकार ने कई मौकों पर इस मुद्दे को हल करने की बात कही है। वहीं भाजपा एमएलसी रमेश पाटिल ने राज्य विधान परिषद में इस मामले पर सवाल किया तो उनका जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में जाति सत्यापन समितियां भ्रष्टाचार का केंद्र बन गई हैं।

आगे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए एक बेहतर और पारदर्शी पैनल बनाएगी। ऐसे अधिकारी हैं जो लगभग 15 वर्षों से इन समितियों में काम कर रहे हैं और वे वित्तीय लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। राज्य सरकार एक बेहतर और पारदर्शी समिति बनाने की कोशिश करेगी।

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि उन्होंने इस तरह की कार्यप्रणाली अन्य राज्यों में नहीं देखी। उन्होंने कहा कि पूरे सिस्टम को लोगों के लिए कम कठिन बनाने के समाधान और सुझावों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाएगी।

भाजपा एमएलसी प्रवीण दटके के सवाल का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि कुछ जातियां जो पहले राज्य के रिकॉर्ड में सूचीबद्ध नहीं थीं, उन्हें अब मान्यता दी गई है। हालाँकि, जाति सत्यापन समितियाँ अभी भी कुछ समुदायों के लोगों के लिए समस्याएँ पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि जाति सत्यापन समितियों में आने वाली चुनौतियों को दूर करने के लिए उचित नीति बनाई जाएगी।

महाशिवरात्रि का जुलूस रोके जाने पर भड़के गिरिराज, कहा- हम चाहते तो कोई भी जिन्ना का वंशज नहीं बचता

छिंदवाड़ा, 03 मार्च (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शुक्रवार को मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा के चांद इलाके में पहुंचे। यहां एक सभा को संबोधित करते हुए पिछले दिनों लाल गांव में महाशिवरात्रि के जुलूस को रोके जाने को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि महाशिवरात्रि का जुलूस लाल गांव में नहीं निकलेगा तो क्या पाकिस्तान के किसी गांव में निकलेगा।

उन्होंने अपने भाषण में आगे कहा कि हमने कभी नहीं कहा कि तुम्हारा ताजिया जा रहा है, हमारे मंदिर में आरती हो रही है। लेकिन मेरे सब्र की परीक्षा मत लो। अगर हम यहां नहीं कर सकते तो कहां करेंगे? यह सवाल मैं आपसे पूछना चाहता हूं। अगर हम चाहे तो कोई भी जिन्ना का वंशज नहीं बचेगा, सर तन से जुदा के नारे लगाने वाले नहीं बचेंगे। उन्होंने कहा कि आप हमारे जुलूस पर पत्थर बरसाते हो, गोलियां बरसाते हो, अब बहुत सह लिया लेकिन अब नहीं सहेंगे।

गिरिराज सिंह ने चांद में यह बयान दिया है। इसी तहसील के लाल गांव में महाशिवरात्रि पर्व के दिन शिवरात्रि की रैली रोक दी गई थी। उसके बाद काफी बवाल हुआ था। ऐसे में आज केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने यह बड़ा बयान देकर इस मामले में कहा है कि यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीजेपी को दिलाएंगे पूर्ण बहुमत, कर्नाटक के लोगों ने खाई है कसम : अमित शाह

बेंगलुरु, 03 मार्च (एजेन्सी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति सरगर्मी तेज हो गई है। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली फतेह के बाद गदगद बीजेपी मिशन कर्नाटक में जोरशोर से जुट गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के दौरे के अगले दिन शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक में हैं। अमित शाह ने यहां कई चुनावी जनसभा को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक के लोगों ने पारिवारिक और भ्रष्ट राजनीति करने वाले दलों को उखाड़ फेंकने की कसम खाई है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक के लोगों ने बीजेपी की सरकार एक बार फिर पूर्ण बहुमत से लाने का वादा किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेंगलुरु ग्रामीण में कहा कि आप जब जेडीएस को वोट देते हो तो वो 25-30 सीट लेकर कांग्रेस के पास चली जाती है और कर्नाटक फिर से भ्रष्टाचारियों के हाथ में हो जाता है। यूपीए सरकार में कांग्रेस ने कर्नाटक में जितना खर्चा किया था उससे 9 गुना ज्यादा हमारी सरकार ने 8 साल में किया है। अमित शाह ने कहा कि हमने कर्नाटक में 2019 के बाद नौकरी देने की क्षमता में 250 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। आपको तय करना है कि पीएफआईको बैन करने वाली भाजपा को वोट देना है या आतंकवाद का साथ देने वाली कांग्रेस को वोट देना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर अपने दिग्गजों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी, उससे सभी राजनीतिक दलों को सीखना चाहिए कि अपने दिग्गजों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। शाह ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अपने नेताओं का अपमान किया है, चाहे वह एस. निजलिंगप्पा हों या पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल। उन्होंने दावा किया कि केवल बीजेपी ही जानती है कि पार्टी के दिग्गजों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार कैसे किया जाता है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में कर्नाटक में थे और जिस तरह से उन्होंने लोगों के सामने येदियुरप्पा का सम्मान किया। उससे सभी राजनीतिक दलों को सीखना चाहिए। उन्हें अपने बुजुर्गों, दिग्गजों और लोकप्रिय नेताओं का सम्मान करना सीखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को (न जाने) क्या हो गया है? वे नारे लगा रहे हैं कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। आम आदमी पार्टी भी 'मोदी मर जा' के नारे लगा रही है।

अमित शाह ने 'मोदी मर जा' के नारे को लेकर कहा कि इस तरह की नारेबाजी से कोई मदद नहीं मिलेगी, क्योंकि प्रधानमंत्री को लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आप जितना कीचड़ उछालेंगे, कमल (बीजेपी का चुनाव चिह्न) और खिलेगा। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और जनता दल (एस) वंशवादी दल हैं और वे कर्नाटक के लोगों का कभी भला नहीं कर सकते।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव मई में होने की संभावना है। ऐसे में बीजेपी ने प्रचार तेज कर दिया है। कर्नाटक दौरे पर आए अमित शाह प्रदेश बीजेपी के बड़े नेताओं के साथ एक बैठक भी करेंगे। दरअसल कर्नाटक की लड़ाई बीजेपी के लिए संघर्षपूर्ण मानी जा रही है। यही वजह है कि अमित शाह का एक महीने में कर्नाटक का ये तीसरा दौरा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर दो विजय संकल्प रथ यात्राओं को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ भी किया। अमित शाह ने बीदर और देवनहल्ली में दो विजय संकल्प रथ यात्राओं को हरी झंडी दिखाई। दौरे की शुरुआत में शुक्रवार सुबह अमित शाह गुरुद्वारा श्री नानक झिरा साहिब और चेन्नाकेशव मंदिर में दर्शन भी किया।

एसडीएफ के तीन पूर्व विधायक एसकेएम में शामिल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 मार्च। सिक्किम में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में आज सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के पूर्व मंत्री जीएम गुरुंग, सीबी कार्की और पूर्व विधायक चंद्र माया सुब्बा ने अपने पांच हजार से अधिक समर्थकों के साथ सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पार्टी का दामन थाम लिया है। शुक्रवार को रंगपो में आयोजित एसकेएम के घर दाइलो अभियान के समापन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की उपस्थिति में ये नेता एसकेएम में शामिल हुए।

इस अवसर पर एसकेएम प्रमुख एवं मुख्यमंत्री गोले ने इन नेताओं का स्वागत किया और उनके फैसले पर संतुष्टि जाहिर की। वहीं इस दौरान अपने वक्तव्य में सीएम ने कल 4 मार्च को अपने स्थापना दिवस पर एसडीएफ द्वारा शोक दिवस मनाने की घोषणा की आलोचना की और विपक्षी पार्टी पर अप्रवासी मुद्दे पर वर्तमान राज्य सरकार की कथित निष्क्रियता के खिलाफ शोक दिवस मनाने के लिए भड़काने का आरोप लगाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एसकेएम ने एक महीने पहले ही इस मुद्दे को सुलझा लिया था और ऐसे में एसडीएफ का शोक दिवस मनाने का फैसला स्थापना दिवस पर लोगों की कम उपस्थिति को छिपाने का प्रयास है। इसके साथ ही उन्होंने एसकेएम द्वारा 4 मार्च को सिक्किम बंद नहीं करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एसकेएम के स्थापना दिवस पर एसडीएफ का बंद बुरी तरह विफल रहा और वह बदले की राजनीति नहीं करना चाहते।

वहीं मुख्यमंत्री गोले ने अपने सम्बोधन में पवन चामलिंग से शालीनतापूर्वक राजनीति से संन्यास लेने का आग्रह भी किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चामलिंग राजनीति से सेवानिवृत्त नहीं हो रहे क्योंकि वह चाहते थे कि उनकी हार्वर्ड से शिक्षित बेटी कोमल चामलिंग 2024 में चुनावी राजनीति में पदार्पण करे। इसके अलावा उन्होंने एसडीएफ सरकार की छात्रवृत्ति योजना पर भी सवाल उठाया, जिसने कोमल को रुपये प्राप्त करने की अनुमति दी। इसके तहत गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी में नहीं होने के बावजूद उन्हें छात्रवृत्ति में 22 लाख रुपए मुहैया कराये गए। उन्होंने कहा इस कदम ने एक योग्य छात्र को एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में पढने के अवसर से वंचित कर दिया।

इधर, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एसडीएफ से एसकेएम में तीन प्रमुख नेताओं का दल-बदल एक महत्वपूर्ण घटना है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी पार्टी को निस्संदेह फायदा होगा।

पवन खेड़ा को कोर्ट से 'सुप्रीम' राहत, 17 मार्च तक बढ़ाई अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत की अवधि शुक्रवार को 17 मार्च तक बढ़ा दी। मामले में असम पुलिस ने खेड़ा को गिरफ्तार किया था। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने समयाभाव के कारण सुनवाई को 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और असम के जवाब रिकॉर्ड में नहीं हैं और वह याचिका पर होली की छुट्टी के बाद सुनवाई करेगी।

असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि राज्य ने खेड़ा की याचिका पर जवाब दाखिल कर दिया है और जब भी अदालत इसे सुनवाई योग्य समझेगी, वह मामले पर बहस करना चाहेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि खेड़ा को दी गई अंतरिम जमानत को 17 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। इससे पहले, 27 फरवरी को अदालत ने कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा को दिए गए संरक्षण की अवधि शुक्रवार तक के लिए बढ़ा दी थी।

मुंबई में 17 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ खेड़ा की कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें उस समय दिल्ली हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किया गया था, जब वह रायपुर जाने वाली उड़ान में सवार हुए थे। तेईस फरवरी को तत्काल सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ के खेड़ा को अंतरिम जमानत प्रदान करने के बाद यहां की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी।

झारखंड सरकार ने पेश किया 1 लाख 16 हजार करोड़ का बजट

रांची, 03 मार्च (एजेन्सी)। झारखंड सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए एक लाख 16 हजार 418 करोड़ रुपए का बजट पेश किया।

वित्त रामेश्वर उरांव ने लगातार चौथी बार बजट पेश करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य की योजनाओं पर विशेष फोकस रखा है। बजट में राज्य के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का एलान किया गया है।

महत्वपूर्ण बजट घोषणाओं में मोटे अनाजों की खेती और प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए मिलेट मिशन योजना शुरू करने, दुमका और बोकारो में इसी वर्ष हवाई अड्डे चालू करने, राज्य के स्कूलों में प्रारंभिक कक्षाओं में पहली बार उड़िया और बांग्ला की पढ़ाई शुरू करने, जमशेदपुर और रांची में मिल्क पाउडर ख़लांट स्थापित करने, सभी राजकीय विश्वविद्यालयों में राजकीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन कम स्टार्टअप सेंटर बनाने जैसे एलान शामिल हैं।

राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बजट को राज्य के बहुमुखी विकास को बढ़ावा देने वाला बताया है, जबकि राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा के विधायकों ने बजट को घिसी-पिटी घोषणाओं का पुलिंदा बताते हुए बजट भाषण का बहिष्कार कर दिया।

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल 15,317 करोड़ रुपए अधिक का बजट है। बता दें कि पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य के बजट का कुल आकार 1 लाख 1 हजार 101 करोड़ रुपए का था। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य ने अपने राजस्व आय में उत्तरोत्तर वृद्धि हासिल की है। वर्ष 2019-20 में कुल राजस्व आय 25 हजार 521 करोड़ 43 लाख रुपये थी जो वर्ष 2021-22 में 31 हजार 320 करोड़ 36 लाख रुपये हो गयी तथा वर्ष 2022-23 में 22.28 प्रतिशत वृद्धि के साथ 38 हजार 612 करोड़ 84 लाख रुपये रहने का अनुमान है।

बजट में स्कूली शिक्षा और साक्षरता पर भी जोर देते हुए हुए इसके लिए 12546 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राज्य की सभी पंचायतों को जीरो ड्रॉप आउट पंचायत बनाने का लक्ष्य तय किया है। सभी सरकारी विद्यालयों में बालिकाओं और बालकों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाएंगे। साथ ही कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को पहली बार बांग्ला और उड़िया भाषा में शिक्षा दी जाएगी। अब तक मुंडारी, कुड़ुख, हो, खड़िया एवं संताली जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में प्रारंभिक शिक्षा दी जाती थी। वित्त मंत्री ने कहा कि नेतरहाट विद्यालय की तर्ज पर चाईबासा, दुमका तथा बोकारो में आवासीय विद्यालय बनाए जाएंगे। उच्च शिक्षा

के लिए छात्रों को मदद देने के लिए गुरूजी क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना एवं एकलव्य प्रशिक्षण योजना (नि:शुल्क कोचिंग के लिए) में 37000 बच्चों को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य के अलावा बरही, बुंडू, पतरातू, चाईबासा, जमशेदपुर, खूंटी में नए राजकीय पॉलिटेकनिक कॉलेज खोले जाने का प्रस्ताव रखा गया है। गोड्डा, जामताड़ा, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग, खूंटी, बगोदर, पलामू में बने पॉलिटेकनिक कॉलेज का संचालन अगले शैक्षणिक सत्र से शुरू कर दिया जायेगा।

आंगनबाड़ी अभियान योजना के तहत बच्चों को पोशाक एवं टेस्ट बुक दिया जाएगा। राज्य में इस वित्तीय वर्ष के लिए 500 नए आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 100 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया जा रहा है। आंगनबाड़ी सेविकाओं के मानदेय में 1700 की बढ़ोतरी की गई है। उन्हें पहले प्रतिमाह 3100 रुपये दिए जाते थे। अब 4800 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। सरकार सभी आंगनबाडी सेविकाओं को स्मार्टफोन भी देगी।

राज्य में नई खाद्य संस्करण प्रोत्साहन नीति बनाने की योजना है। राज्य में काफी संख्या में ऐसे गांव हैं जो जंगल के बीचो-बीच में बसे हैं। राज्य सरकार की ओर से ऐसे गांवों के लिए 400 किलोमीटर सड़क का प्रस्ताव किया गया है।

सूखा राहत के लिए प्रत्येक किसान परिवार को 3500 रुपए का लाभ मिलेगा। फर्टिलाइजर का उपयोग कम करने और जैविक कृषि की दिशा में सरकार इस वर्ष फसल सुरक्षा योजना लागू करेगी। 1 लाख किसानों की जमीन पर सिंचाई कूप का निर्माण कराया जाएगा।

सरकार पंचायत सचिवालय सुऑढ़ीकरण योजना शुरू करेगी। प्रत्येक सचिवालय में ज्ञान केंद्र की स्थापना होगी। प्रत्येक सचिवालय में 65 इंच की एलईडी टीवी स्थापित की जाएगी।

सतीश पूनिया ने विस में उठाया विद्यार्थियों की सुसाइड का मुद्दा, कहा- रोकने के लिए सरकार उठाए कदम

जयपुर, 03 मार्च (एजेन्सी)। भाजपा विधायक और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने विधानसभा में छात्रों की आत्महत्या का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि कोटा की कोचिंग संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसे रोकने और विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए सरकार गंभीरता से प्रयास करे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के नौजवानों के लिये यह मुद्दा गंभीर है।

भाजपा अध्यक्ष पूनिया ने कहा, कोटा इस समय कोचिंग और एजुकेशन का हब है, लेकिन पिछले चार साल में हुई आत्महत्याओं के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सिर्फ इस साल के आंकड़े देखेंगे तो ये पूरे राजस्थान के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि 10 हजार युवाओं ने आत्महत्या की हैं, जिसमें 2,442 विद्यार्थी हैं। कोटा संभाग में 55 बच्चों ने आत्महत्या की है और 2022 में 16 बच्चों ने आत्महत्याएं की हैं।

पूनिया ने कहा कि कोटा की कोचिंग संस्थानों में देशभर से बच्चे पढ़ने आते हैं। लेकिन, जिस तरह से यहां लगातार आत्महत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस तरह से बच्चों को उनके हाल पर नहीं छोड़ा जा सकता है।

पूनिया ने मांग करते हुए कहा कि सरकार विद्यार्थियों के लिये एक अच्छी काउंसलिंग की व्यवस्था करे, जिससे उन्हें तनाव से बचाया जा सके। एक दार्शनिक ने कहा है कि चिंतित मनुष्य अपने जीवन का महत्व खो देता है। युवा इस प्रदेश का नागरिक है और भविष्य है।

उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत सरकार को कोई न कोई नीति अपनाकर इन नौजवानों के भविष्य को बर्बाद होने से रोकने के लिए गंभीरता से विचार करना चाहिए।

15 महीनों का हिसाब मांगने वाले अपने 18 वर्षों का हिसाब दें : कमलनाथ

धार, 03 मार्च (एजेन्सी)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शुक्रवार को धार जिले में थे। वे धार जिले के पीथमपुर नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। कमलनाथ ने मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा है कि 15 महीनों का हिसाब मांगने वाले अपने 18 वर्षों का हिसाब तो दे दें।

कमलनाथ ने कहा है कि 1993 में जब मैं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री था तब पीथमपुर को औद्योगिक क्षेत्र का दर्जा दिलवाया था। आज जिस तरह औद्योगिकीकरण होना था, आर्थिक गतिविधि होना थी, उस तरह नहीं हो पाई है। सारी स्थितियां चौपट हैं। 6 इंवेस्टर्स समिट हुईं, उनके आंकड़े यह हैं कि 760 प्रपोजल आए और जमीन पर केवल इसका 5 प्रतिशत ही उतर पाए। 30 लाख करोड़ की निवेश घोषणाएं हुईं, पर हुआ क्या?

कमलनाथ ने कहा है कि इस तरह की नाटक-नौटंकी से निवेश नहीं आता। अपना प्रदेश 5 प्रदेशों से घिरा हुआ है, जिसको तमिलनाडु और केरल में अपना सामान बेचना है वह पंजाब और हरियाणा में अपना उद्योग क्यों लगाएगा? उसके लिए यह सुविधा है, यह इकॉनॉमिकल है कि वह मध्यप्रदेश में उद्योग लगाए पर उसको मध्यप्रदेश पर विश्वास होना चाहिए। निवेश विश्वास से आता है, प्रदेश के चेहरे से आता है। निवेश और रोजगार की झूठी घोषणाओं के बावजूद आंकड़ा यह है कि पिछले साल प्रदेश में 90 लाख युवा बेरोजगार थे और इस साल एक करोड़ नौजवान बेरोजगार हैं।

छह-सात महीने बचे हैं। भाजपा के पास केवल पुलिस, पैसा और प्रशासन है। ये खरीद-फरोख्त के लिए प्रशासनिक दबाव डालते हैं। मैं जानता हूं कि जनपद और पंचायतों के चुनाव में कितना प्रशासनिक दबाव था।

पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि आज प्रदेश का हर वर्ग परेशान है लेकिन ये हमारे 15 महीनों के कार्यकाल का जवाब मांगते हैं! 15 महीनों में से ढाई महीने लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में चले गए। शिवराज सिंह को शर्म नहीं आती मुझसे 15 महीनों का हिसाब मांगते हुए, वो अपने 18 वर्षों का हिसाब दें, 215 महीनों से भाजपा का शासन है और मुझसे साढ़े बारह महीनों का हिसाब मांगते हैं! जनता मेरी गवाह है, जनता हिसाब देगी! जो हुआ जनता के सामने हुआ। घोषणाओं से नहीं हुआ। गौशालाएं बनीं, मध्यप्रदेश के इतिहास में इतनी गौशालाएं कभी नहीं बनीं। हमने कर्जा माफी की, जिसको इन्होंने विधानसभा में स्वीकार किया कि 27 लाख किसानों का कर्जा माफ हुआ है। ये रोज झूठ बोलते हैं, कहते हैं कि मैंने संबल योजना बंद कर दी, पर मैंने इसे कभी बंद नहीं किया था, 'नया सवेरा' नाम से यह योजना चलती रही।

शिवराज सिंह का खाना हजम नहीं होता है जब तक वह झूठ नहीं बोल लेते हैं। हर बात पर झूठ बोलने वाले शिवराज सिंह ने लगभग 20 हजार झूठी घोषणाएं कर रखी हैं। आज सारे प्रदेश का सत्यानाश कर दिया गया है। किसानों, युवाओं, निवेश, पोषण और कानून व्यवस्था का सत्यानाश कर दिया गया है। जहां देखो सत्यानाश! यह आज प्रदेश की तस्वीर है! मुझे मध्यप्रदेश के मतदाताओं पर पूरा विश्वास है कि वो अपने भविष्य को सुरक्षित रखेंगे। प्रदेश की तस्वीर अपने सामने रखेंगे और सच्चाई का साथ देंगे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:118 DrawDate on:03/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 34K 66428
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 66428 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06528 24971 27937 36496 44143 52424 62982 73309 73695 79667
3rd Prize ₹450/-
0947 1535 1706 2566 5661 6153 6591 7467 9019 9347
4th Prize ₹250/-
0253 0375 2623 2915 3111 3559 4267 6439 6708 7636
5th Prize ₹120/-
0261 0279 0282 0365 0408 0438 0452 0486 0667 0786
0883 0941 1195 1216 1337 1480 1557 1601 1731 1856
1863 1933 2063 2175 2177 2199 2200 2258 2319 2398
2669 3006 3036 3089 3277 3398 3420 3426 3484 3523
3667 3743 3792 3925 4024 4171 4271 4299 4319 4465
4476 4482 5088 5106 5162 5213 5229 5244 5538 5713
5785 5798 5918 6088 6103 6118 6247 6279 6469 6703
6733 6771 6817 6851 6890 7044 7340 7376 7411 7683
7721 7730 7782 7787 8216 8355 8394 8410 8464 8466
8481 8561 8717 8773 8863 8898 8938 9270 9503 9754
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:118 DrawDate on:03/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 78K 18852
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 18852 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
19277 39548 44114 44541 64880 72938 75034 79837 82166 95604
3rd Prize ₹450/-
0091 2123 3921 4824 4839 5435 7823 8557 8807 9090
4th Prize ₹250/-
0535 0968 1965 2954 3550 5070 5396 6429 7282 9281
5th Prize ₹120/-
0023 0093 0214 0231 0512 0620 0642 0710 0897 0974
1067 1244 1384 1433 1444 1452 1720 2028 2146 2182
2266 2407 2567 2723 2724 2778 2921 3209 3332 3396
3421 3459 3505 3607 3671 3910 4031 4138 4217 4229
4332 4414 4536 4554 4579 4678 4694 4881 5011 5055
5099 5100 5120 5202 5220 5238 5711 5726 5797 5821
5834 5995 6117 6130 6479 6499 6605 6652 6691 6725
6883 6887 6976 7123 7308 7344 7404 7405 7537 7574
7630 7700 7782 7874 7897 8339 8349 8554 8702 8762
8872 8900 8908 8937 8949 8987 9070 9173 9634 9756
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:218 DrawDate on:03/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 49D 87692
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 87692 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02957 06567 07089 26411 27813 36487 48734 59956 70299 79406
3rd Prize ₹450/-
0133 1388 2021 2979 4705 4792 5099 5539 7627 7820
4th Prize ₹250/-
0353 1875 2138 4832 5711 6387 6692 8503 8835 8938
5th Prize ₹120/-
0136 0164 0239 0245 0327 0549 0706 0716 0828 0833
1098 1208 1499 1571 1645 1650 1709 1717 1874 1928
2029 2058 2252 2370 2429 2561 2928 3043 3050 3304
3308 3337 3568 3866 3892 4005 4170 4622 4723 4906
4919 4971 5013 5143 5242 5336 5409 5477 5480 5568
5691 5917 6065 6084 6192 6216 6325 6329 6500 6688
6802 6832 6889 6954 7003 7039 7093 7102 7175 7206
7267 7331 7345 7393 7438 7456 7494 7638 7658 7794
7862 8086 8430 8484 8536 8608 8799 8869 8918 8928
8991 9041 9147 9183 9251 9255 9257 9262 9435 9779
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

पूर्वोत्तर की सत्ता

हालांकि इन राज्यों में छोटी विधानसभाएं हैं और वहां चुनाव में आमतौर पर लोग पार्टियों को नहीं, उम्मीदवारों के चेहरे पर मतदान करते रहे हैं। मगर इस बार पार्टियों के आधार पर वहां जीत-हार का आकलन किया जा रहा है और वहां के तीन राज्यों- त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय- के चुनाव नतीजों के आधार पर इस साल होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों और फिर अगले साल होने वाले आम चुनाव की तस्वीर खींचने का प्रयास किया जा रहा है।

त्रिपुरा और नगालैंड में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति है। हालांकि त्रिपुरा में भाजपा ने प्रस्ताव रखा है कि अगर टिपरा मोथा उसका समर्थन करती है, तो सरकार बनने के बाद वह उसकी सारी मांगें मान ली जाएंगी। मगर यह अभी चुनाव नतीजों के बाद की स्थितियों पर निर्भर करेगा। पूर्वोत्तर राज्यों की राजनीति दूसरे राज्यों की अपेक्षा थोड़ी भिन्न होती है। वहां कई स्थानीय मुद्दे जटिल हैं, जिनके आधार पर दलों का आपसी गठजोड़ तय होता है।

हालांकि हर चुनाव सीटों का खेल होता है। जिसके पास सरकार बनाने लायक उम्मीदवार जीत जाते हैं, सरकार उसी की बनती है। मगर पार्टियों की स्थिति का आकलन तो उन्हें मिले मतों के आधार पर होता ही है। इस दृष्टि से बेशक भाजपा गठबंधन को त्रिपुरा और नगालैंड में विजय मिली है, मगर आंकड़ों के मुताबिक उसे पहले की तुलना में कम सीटें मिली हैं और मत फीसद भी गिरा है। पर इस दृष्टि से कांग्रेस की स्थिति भी बेहतर नहीं कही जा सकती, बेशक उसके मत फीसद में कुछ बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

कयास लगाए जा रहे थे कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का वहां के चुनावों पर असर पड़ेगा और कांग्रेस को उसका लाभ मिलेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। वहां वाम दलों की पकड़ मजबूत हुआ करती थी और करीब पच्चीस साल तक सत्ता में रहे, मगर वे भी अपनी जमीन वापस लेने में कामयाब नहीं हो पाए, तो इसकी कुछ वजहें स्पष्ट हैं।

दरअसल, पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की बहुत पुरानी शिकायत रही है कि उनकी तरफ केंद्र की सरकारें ध्यान नहीं देतीं। उनके राज्यों में विकास परियोजनाओं की रूपरेखा नहीं बनाई जाती। उनके सीमा और पहचान संबंधी विवादों के निपटारे की गंभीरता से कोशिश नहीं की जाती। इस लिहाज से भाजपा ने पूर्वोत्तर पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

राज्यों के बीच सीमा संबंधी विवादों को सुलझाने का प्रयास किया गया। इसके नतीजे प्रकट रूप में दिखने भी लगे हैं। इसका असर स्वाभाविक रूप से वहां के लोगों के मन पर पड़ा है। जबकि इन राज्यों के लोगों की वैचारिक पृष्ठभूमि भाजपा के सिद्धांतों से सीधे-सीधे मेल नहीं खाती, मगर विकास का मुद्दा उन्हें उससे जोड़ता है।

इससे एक बार फिर यह स्पष्ट हुआ है कि आम लोग वैचारिक और सैद्धांतिक मुद्दों के बजाय विकास के मुद्दों को अधिक तरजीह देते हैं। अगर केवल सिद्धांत प्रभावित करते, तो त्रिपुरा में भाजपा की वापसी संभव न हो पाती। मगर उसके सामने यह चुनौती तो है ही कि पूर्वोत्तर में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए उसे स्थानीय समस्याओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा।

बीजेपी के गणित में पूर्वोत्तर

नीरजा चौधरी

पूर्वोत्तर भारत के तीन राज्यों- त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में फरवरी में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे बहुत चौंकाते नहीं हैं, लेकिन इन नतीजों के संदेश साफ पढ़े जा सकते हैं। कहने को तो साठ-साठ सीटों वाली इन विधानसभाओं में कुल 180 विधानसभा सीटें हैं और इन्हें देश के एक छोटे से हिस्से में माना जाता है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वोत्तर के इलाके को जो महत्व दिया है, विधानसभा चुनाव के नतीजे उसी को परिलक्षित करते हैं।

पूर्वोत्तर को महत्व देने का फायदा निश्चित रूप से भाजपा को मिला है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने लगातार पूर्वोत्तर का दौरा किया और उस क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। प्रधानमंत्री की लुक ईस्ट पॉलिसी में भी पूर्वोत्तर रहा है। इसका मतलब है कि भाजपा के गणित में पूर्वोत्तर बहुत महत्व रखता है, क्योंकि वहां 26 लोकसभा सीटें हैं, जो बाकी भारत के मध्य आकार के एक राज्य के बराबर है।

भाजपा ने पूर्वोत्तर के चुनावों को इसलिए इतना ज्यादा महत्व दिया, क्योंकि वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यहां की 26 लोकसभा सीटें उसके लिए बहुत अहम हैं। भाजपा को इस बात का आभास है कि लोकसभा चुनाव में अन्य राज्यों में उसके खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान होगा। लिहाजा उन राज्यों में होने वाले नुकसान की भरपाई की दृष्टि से भी पूर्वोत्तर में अपनी स्थिति मजबूत रखना उसके लिए जरूरी था। भाजपा हर चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक देती है और पूर्वोत्तर के चुनाव भी इसका अपवाद नहीं थे। इसकी वजह यह है कि भाजपा ने पूर्वोत्तर को महत्वहीन नहीं माना। इन पंक्तियों की लेखिका को नगालैंड के लोगों ने भी बताया कि इतना आक्रामक चुनाव प्रचार उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से कभी नहीं देखा था। चुनावी नतीजे में यह स्पष्ट दिखता है। तीनों राज्यों में सत्ता विरोधी रुझान के बावजूद भाजपा का अपने सहयोगी दलों के साथ सत्ता में वापस आ जाना बहुत बड़ी उपलब्धि है।

इन नतीजों का दूसरा संदेश है- कांग्रेस का सफाया। पूर्वोत्तर को दशकों से कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। त्रिपुरा में भले ही उसे कुछ सीटें मिली हैं, जो कि सांत्वना पुरस्कार से ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन पूर्वोत्तर के इलाके में कांग्रेस का चुनाव में लगातार सफाया हो रहा है। सबसे हैरानी की बात है कि कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई प्रयास भी नहीं किया। ऐसा लगता था, जैसे उसने अपने हथियार डाल दिए हैं, जबकि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और उनकी अपनी छवि भी बहुत अच्छी बनी है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में 'भारत जोड़ो यात्रा' की सफलता से उत्साह का संचार हुआ है। फिर भी इनमें से किसी भी जगह से कांग्रेस का चुनाव न जीत पाना उसके लिए बहुत निराशाजनक है, जबकि मेघालय में तो वह पिछली बार 21 सीटों के साथ अकेली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। ऐसा लगता है कि इन चुनावों में कांग्रेस ने जरा भी दम-खम नहीं दिखाया। तो इन नतीजों का संदेश कांग्रेस के लिए भी है कि आप चाहे जितनी यात्राएं कर लें, लेकिन जब तक चुनाव में जीत हासिल नहीं करते, लोग आपको गंभीरता से नहीं लेंगे और अन्य राज्यों में भी आपके कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा।

तीसरा महत्वपूर्ण संदेश है कि नगालैंड के इतिहास में आज तक एक भी महिला चुनकर विधानसभा नहीं पहुंची थीं। अब तक नगालैंड से मात्र एक महिला सांसद रानो साइजा चुनी गई थीं। वह 1977 में छठी लोकसभा में चुनकर संसद पहुंची थीं। विधानसभा चुनाव में महिलाओं के न चुने जाने को लेकर अक्सर सवाल भी उठते रहते थे, क्योंकि नगालैंड ऐसा राज्य है, जहां पुरुषों से ज्यादा महिला मतदाता हैं। नगा जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की पैठ है, लेकिन राज्य की राजनीति में उनकी उपस्थिति शून्य थी। यह नगा समाज की बहुत बड़ी विडंबना थी। इस बार वहां की जनता ने चार महिला प्रत्याशियों में से दो- दीमापुर तृतीय विधानसभा से हेकानी जखालू और अंगामी सीट से सलहूतुनू क्रुसे को चुनकर विधानसभा में भेजा है और इस तरह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के ठीक पहले इतिहास रचा है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

पूर्वोत्तर सिर्फ सिर्फ भाषा और मजहब की दृष्टि से नहीं, बल्कि नस्ल को लेकर भी भारतीय विविधता का प्रतीक है। वह येलो और ब्राउन रेस का मिलन है, जो हमारे देश के लिए बहुत ही अनूठा है। भाजपा ठीक ही कहती है कि दक्षिण पूर्वी एशिया के लिए पूर्वोत्तर सेतु है, आखिर थाईलैंड और म्यांमार से तो उनके संबंध हैं ही। इसको लेकर इन नतीजों का संदेश है कि क्षेत्रीय पार्टियां अपनी पैठ बनाए रखेंगी।

नगालैंड और मेघालय में एनडीपीपी और एनपीपी ने अच्छा प्रदर्शन किया है और त्रिपुरा मे टिपरा मोथा नामक नई पार्टी का एक भावनात्मक मुद्दे को लेकर उदय इसी का संकेत है। टिपरा मोथा का भावनात्मक मुद्दा है कि वह स्वायत्त त्रिपुरा बनाना चाहती है। उनका रहन-सहन, जीने का तरीका, भाषा आदि उनकी अपनी पहचान से जुड़ा है। वे जीने का स्वायत्त तरीका चाहते हैं। तो इन प्रदेशों के नतीजों से जो संदेश मिल रहा है, वह यह है कि वे अपनी विविधता की स्वायत्त जीवन शैली का सम्मान चाहते हैं, एकरूपता नहीं चाहते। हालांकि भाजपा इन तीनों राज्यों में सत्ता में है, लेकिन शेष भारत में उसका जो एकरूपता का संदेश है, उससे यहां समस्याएं पैदा होंगी।

अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण संदेश विपक्ष के लिए वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर है कि उसे चुनावों को गंभीरता से लेना होगा और जिस तरह से भाजपा चुनावों में अपनी सारी ताकत झोंक देती है, उसी तरह विपक्ष को एकजुट होकर अपनी ताकत लगानी पड़ेगी। विपक्ष को एकजुट हो हरेक सीट पर भाजपा के खिलाफ अपना एक संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करना होगा, तभी वह भाजपा को हरा पाएगा। विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व के सवाल को उन्हें चुनाव से पहले नहीं, चुनाव के बाद के लिए छोड़ देना चाहिए और एकजुट होकर लड़ाई लड़ने पर ध्यान देना चाहिए, तभी बात बन सकती है।

कारोबार में शोध और नवाचार

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रकाशित हो रही अध्ययन रिपोर्टों में यह बात उभर कर सामने आ रही है कि भारत में आर्थिक और औद्योगिक विकास को तेज करने के लिए सरकार के साथ-साथ देश के उद्योगों को भी शोध और विकास (आरएंडडी) पर अधिक ध्यान देना होगा। गौरतलब है कि नवीनतम रिपोर्टों के मुताबिक इस समय दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब दो फीसद शोध और विकास में व्यय किया जाता है।

यूरोपीय संघ में आरएंडडी पर जीडीपी का करीब दो फीसद व अमेरिका, जापान और अन्य कई विकसित देशों में इस पर तीन फीसद से भी अधिक व्यय किया जा रहा है। जबकि इस समय भारत में इस पर जीडीपी का करीब 0.67 फीसद व्यय हो रहा है। इस समय दुनिया में शोध और विकास पर जो वार्षिक राशि व्यय की जाती है, उसमें अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका की हिस्सेदारी करीब तीन चौथाई से अधिक है। ये सभी देश आरएंडडी के बल पर उद्योग-कारोबार के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी हैं।

हाल ही में इंदौर में आयोजित इंडियन सोसायटी आफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की उनतीसवीं वैश्विक क्रांफ्रेंस में स्वास्थ्य शोध क्षेत्र में अभूतपूर्व वैश्विक योगदान देने वाले फ्रांस के जैन लुइस टेबोल ने कहा कि भारत में ज्ञान का भंडार है, लेकिन शोध की कमी है। अगर भारत में सरकार के साथ उद्योग शोध और नवाचार (रिसर्च-इनोवेशन) पर अधिक ध्यान देंगे तो भारत दुनिया में स्वास्थ्य सहित विभिन्न आर्थिक और औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से ऊंचाई पर पहुंच सकेगा।

हालांकि शोध और नवाचार के मामले में पिछले एक दशक में भारत के कदम आगे बढ़े हैं, लेकिन अब भी दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले देशों की तुलना में बहुत पीछे है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की एजंसी वर्ल्ड इंटलेक्चुअल प्रापर्टी आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूआइपीओ) द्वारा जारी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2022 में भारत चालीसवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 2021 में छियालीसवें पायदान पर था।

2015 में इक्यासीवें स्थान पर था। सबसे बड़ी बात है कि निम्न मध्यम आय वर्ग के वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत पहले स्थान पर पहुंच गया है। इस समूह में दुनिया के छत्तीस देशों को शामिल किया गया है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में स्विट्जरलैंड पहले, अमेरिका दूसरे और स्वीडन तीसरे स्थान पर हैं। थाइलैंड, वियतनाम, रूस और ब्राजील जैसे देशों की तुलना में नवाचार के मामले में भारत आगे निकल चुका है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों स्मार्ट इंडिया हैकाथान समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय शोध और नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग बढ़ रही है। शोध और नवाचार के कारण बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, डिजिटल, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं।

आज भारत में सत्तर हजार से अधिक स्टार्ट-अप हैं, जिनमें सौ से अधिक यूनिकार्न हैं। ऐसे में भारत शोध और नवाचार को और अधिक प्रोत्साहन देते हुए देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास को नई रफ्तार देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है।

कोविड-19 भारत में नए चिकित्सीय शोध और नवाचार को बढ़ावा देने का एक अवसर भी था। जब फरवरी-मार्च 2020 में देश में कोरोना संक्रमण की पहली लहर शुरु हुई, तब उसकी रोकथाम के लिए कोरोना टीके से संबंधित शोध और उत्पादन के विचार आने शुरू हुए थे। सामान्य तौर पर किसी बीमारी का टीका बनाने में कई वर्ष लगते हैं, लेकिन भारत में कोरोना विषाणु की चुनौती के मद्देनजर कुछ महीनों के अंदर इसका टीका बनाने का कठिन लक्ष्य पूरा किया गया।

कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में भी कृषि संबंधी शोध और नवाचार की प्रभावी भूमिका है। केंद्रीय कृषि मंत्री के मुताबिक देश में कृषि शोध से जुड़ी सौ से अधिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, पचहत्तर कृषि विश्वविद्यालयों और इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आइसीआर) के बीस हजार से अधिक वैज्ञानिकों के समर्पित शोध कार्य और नवाचार को बढ़ावा दिए जाने से कृषि क्षेत्र में विकास का नया अध्याय खुल रहा है।

इसके बावजूद इस क्षेत्र में भारत के उद्योग-कारोबार बहुत पीछे हैं। गौरतलब है कि यूरोपीय आयोग हर वर्ष शोध और नवाचार के मद्देनजर दुनिया की शीर्ष ढाई हजार कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करता है। 2021 के आंकड़ों के मुताबिक इन कंपनियों में भारत की महज चौबीस कंपनियां शामिल हैं। जबकि अमेरिका की 822, चीन की 678, जापान की 233 और जर्मनी की 114 कंपनियां हैं।

स्थिति यह है कि भारत में आंतरिक शोध और विकास में एक भी ऐसी बड़ी शोध निवेशक कंपनी नहीं है, जो दुनिया में पहली पचास बड़ी कंपनियों की सूची में शामिल हो। देश की शीर्ष कंपनी टाटा मोटर्स शोध और नवाचार के मामले में दुनिया में अट्ठावनवें स्थान पर है। इतना ही नहीं, दुनिया की शीर्ष सात कंपनियां पूरे भारत द्वारा शोध और नवाचार पर किए जा रहे निवेश की तुलना में अधिक निवेश करती हैं।

देश में सर्वाधिक मुनाफे वाली साफ्टवेयर, वित्तीय सेवा, पेट्रोकेमिकल्स और धातु प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़ी कंपनियां भी शोध और नवाचार पर व्यय के मामले में बहुत पीछे हैं। स्थिति यह है कि देश में भारी कमाई करने वाली दस साफ्टवेयर कंपनियां अपनी बिक्री का महज एक फीसद शोध और नवाचार में लगाती हैं, जबकि इस क्षेत्र की वैश्विक कंपनियों का शोध और नवाचार पर औसत व्यय दस फीसद है।

इस मामले में पीछे रहने के कारण ही भारत कई अहम क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ पाया है। यही कारण है कि प्रौद्योगिकी हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक उपकरण, वैमानिकी, विनिर्माण सामग्री, रसायन, औद्योगिक अभियांत्रिकी, औषधि और वाहन क्षेत्रों में दुनिया के बाजार में भारतीय कंपनियों की पहुंच बहुत सीमित है।

शोध और नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इसके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया की सरकारें भी वैश्विक नवाचार सूचकांक को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाती हैं। जैसे-जैसे भारत में शोध और नवाचार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इसके लाभ दिखाई देने लगे हैं।

इसके चलते हुए अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआइसी) तेजी से शुरू करती दिखाई दे रही हैं। ख्याति प्राप्त वैश्विक वित्तीय और वाणिज्यिक कंपनियां भारत में अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। इससे देश में प्रतिस्पर्धा का स्तर और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

कोई छह-सात दशक में अमेरिका शोध और नवाचार पर अधिक खर्च करके सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, दवा, अंतरिक्ष अन्वेषण, ऊर्जा और अन्य तमाम क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ कर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बना है। भारत को भी आर्थिक शक्ति और विकसित देश बनने के लिए आरएंडडी की ऐसी सुविचारित रणनीति पर आगे बढ़ना होगा, जिससे सरकार, निजी क्षेत्र और शोध संस्थानों के बीच सहजीविता और समन्वय के सूत्र आगे बढ़ाए जा सकें।

खासकर देश में बड़ी कंपनियों के भीतर भी शोध और विकास पर निवेश बढ़ाना होगा। उम्मीद है कि सरकार और देश के उद्योग-कारोबार जगत द्वारा देश के तेज विकास और आम आदमी के आर्थिक-सामाजिक कल्याण के मद्देनजर दुनिया के विभिन्न विकसित देशों की तरह भारत में भी शोध और नवाचार पर जीडीपी की दो फीसद से अधिक धनराशि व्यय करने की डगर पर आगे बढ़ा जाएगा।

क्या दक्षिण को उत्तर दे पाएगा यूपी

संजय अभिज्ञान

पिछले तीन दशकों में दक्षिणी राज्यों की आर्थिक बेहतरी का सिक्का इस कदर जमा कि यह सवाल ही बेमानी हो चला था कि आखिर कब जाकर उत्तर भारत के राज्य आर्थिक विकास में दक्षिण भारत का मुकाबला करने की स्थिति में आ पाएंगे। पर आज जब उत्तर प्रदेश 33.5 लाख करोड़ रुपये के ताजा-ताजा निवेश वादों के पहाड़ पर बैठकर सुस्ता रहा है, क्या हम इस सवाल को उठा सकते हैं? किसी भी प्रबुद्ध उत्तर भारतीय की अस्मिता को एक पवित्र चुनौती देने वाला यह सवाल, सिर्फ अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, सभी के लिए महत्वपूर्ण है। मगर इस पर आने से पहले एक नजर डालनी होगी कि दक्षिण बनाम उत्तर की यह बहस आखिर कब और कैसे पनपी और हाल ही में इसमें कौन-सा नया मोड़ आ गया है।

भारत राष्ट्रराज्य के इतिहास की यह एक सत्यकथा है। 75 साल पहले आजादी मिलने के समय तो सभी राज्य कमोबेश एक जैसे ही पिछड़े और साधनसीमित थे। मगर सत्तर के दशक के आरंभ से, दक्षिणी राज्यों के आर्थिक-सामाजिक सूचकांक सुधरते चले गए। शिशु मृत्यु दर, जच्चा मृत्यु दर, जीवन संभाव्यता, पांच वर्ष के आयु से पहले की मृत्युदर, जन्म दर, कन्या भ्रूण हत्या दर, रोग प्रतिरोधक टीकाकरण की दर, प्रति व्यक्ति आय, प्राथमिक स्कूलों में दाखिले की दर- लगभग हर पैमाने पर केरल, तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक संभलते गए। शिशु मृत्यु दर का केरल का आंकड़ा छह से सात के दायरे में है, जो अमेरिका से टक्कर लेता है। मगर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का यह आंकड़ा आज भी चिंताजनक है और अफगानिस्तान, सूडान, नाइजर जैसे देशों के समकक्ष है।

केरल की अगुआई में दक्षिण ने जनसंख्या नियंत्रण में भी अग्रणी भूमिका निभाई। वर्ष 1971 में केरल और राजस्थान की आबादी करीब बराबर थी। आज राजस्थान की आबादी केरल से दोगुनी है। इस बीच बंगलूरू की पहचान भारत की सिलिकॉन वैली की बन गई। हैदराबाद साइबराबाद हो गया। केरल साक्षरता का रोल मॉडल बनकर उभरा। तमिलनाडु स्कूलों में मिड डे मील जैसी स्कीम लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना और देखते-देखते उसने स्कूली दाखिलों में इजाफे के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

देशों या अंचलों की आर्थिक तुलना कोई पाप नहीं। आधुनिक अर्थशास्त्र की नींव में ही ऐसी जिज्ञासाएं हैं। इसकी सबसे अच्छी मिसाल है 1776 में लिखी गई अर्थशास्त्र के पितामह एडम स्मिथ की कालजयी पुस्तक-एन इंक्वायरी इंटू द नेचर ऐंड कॉजेस ऑफ वेल्थ ऑफ नेशंस। उसके कोई दो सदी बाद भी जीडीपी-जीएनपी की अवधारणा को जन्म देने वाले नोबेल विजेता अर्थशास्त्री साइमन कुजनेट्स भी विभिन्न देशों की आय का तुलनात्मक अध्ययन ही कर रहे थे। लिहाजा, यदि दक्षिण भारत के डाटा वैज्ञानिक नीलकांतन आरएस ने हाल में प्रकाशित अपनी किताब-साउथ वर्सेज नॉर्थ-इंडियाज ग्रेट डिवाइड- में उत्तर के मुकाबले दक्षिण भारत को अधिक खुशहाल साबित किया है, तो इसमें कोई हर्ज नहीं। आखिर कुछ बरस पहले, अर्थजगत के दो दिग्गज-अमर्त्य सेन और जगदीश भगवती-भी तो क्रमशः केरल व गुजरात को आमने-सामने रखकर बहुचर्चित 'सेन-भगवती डिबेट' को आकार दे रहे थे। जगदीश भगवती जहां गुजरात मॉडल की तर्ज पर सामाजिक न्याय के बजाय तेज आर्थिक विकास को वरीयता देने का तर्क दे रहे थे, वहीं अमर्त्य सेन केरल की मिसाल देकर कह रहे थे कि तेज आर्थिक विकास नहीं, शिक्षा-स्वास्थ्य को वरीयता देकर सामाजिक न्याय को सर्वोपरि रखने की नीति से ही सच्चा विकास होता है।

बहरहाल, इस पूरी बहस में नया मोड़ यह है कि उत्तर भारत को पिछड़ा बताने की सात्विक अर्थशास्त्रीय बहस अब दुराग्रहों की तरफ जा रही है। मसलन साउथ वर्सेज नॉर्थ के लेखक नीलकांतन कहते हैं कि दक्षिणी राज्यों को जनसंख्या नियंत्रण की सजा मिल रही है। आरोप है कि चूंकि 15वें वित्त आयोग ने 2011 की जनगणना के आंकड़ों को धनराशि आवंटन का आधार बनाया है, कम आबादी वाले दक्षिण भारतीय राज्यों को कम केंद्रीय संसाधन मिल रहे हैं, जबकि उत्तर प्रदेश औसत आर्थिक सूचकांकों के बावजूद महज आबादी के अनुपात की बदौलत ज्यादा केंद्रीय संसाधनों पर कब्जा कर रहा है। आरोप यह भी है कि जीएसटी व्यवस्था के कारण दक्षिण राज्यों की हैसियत नगरपालिकाओं जैसी हो गई है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि परिसीमन आयोग की आगामी कार्रवाई में अपेक्षाकृत कम आबादी होने के कारण दक्षिणी राज्यों की संसदीय व विधानसभा सीटें भी कम हो सकती हैं। कुल मिलाकर आरोप है कि केरल सरीखे कक्षा में अव्वल रहने वाले छात्रों को तो सजा मिल रही है और यूपी-राजस्थान जैसे फिसड्डी छात्रों को इनाम दिए जा रहे हैं।

दक्षिण बनाम उत्तर के इस वैचारिक समुद्रमंथन से निकले विषामृत को गंभीरता से देखना-समझना चाहिए। यह बहस बताती है कि 70 के दशक में स्वास्थ्य और शिक्षा के ढांचे को तरजीह की रणनीति ने दक्षिण की नींव को मजबूत किया। एक तर्क यह है कि एक सदी पहले पेरियार जैसे महानायकों के नेतृत्व में आरंभ हुए द्रविड़ आंदोलन से उपजी जागरूकता ने साठ के दशक में निम्न मध्यम वर्ग को शिक्षित बनाकर क्षेत्रीय विकास की पूर्वपीठिका तैयार की, जबकि उत्तर भारत में आंबेडकर, लोहिया के दर्शन को राजनीतिक यथार्थ में उतारने वाले राजनीतिक आंदोलनों ने कुछ विलंब से आकार लिया। तर्क यह भी है कि दक्षिण के राजनीतिक जनमानस पर हावी शिक्षा-स्वास्थ्य के ठोस आग्रहों की तुलना में उत्तर भारत की राजनीतिक-सामाजिक चेतना पर मंडल-कमंडल के भावनात्मक आग्रहों के हावी होने से अंतर बढ़ा।

इसी पृष्ठभूमि में, मूल सवाल पर लौटना होगा कि क्या निवेश का नया चुंबकप्रदेश बनकर उभरा उत्तर प्रदेश दक्षिण दर्प का मर्दन करने को तैयार है। क्या वह फिसड्डी या बीमारू का ठप्पा मिटाने के निर्णायक मुकाम पर आ गया है? क्या बीते पखवाड़े लखनऊ में योगी सरकार के अफसरशाहों के हाथों में थमाए गए 18,643 निवेश आशय पत्र कागज का पुलिंदा मात्र हैं या वाकई वे धरातल पर उतरकर करोड़ों गरीबों को रोजगार देंगे? पिछला रिकॉर्ड तो एमओयू के आंकड़ों को संशय से देखने की सलाह देता है। लेकिन वादों को वफा होते भी देखा गया है और देश-विदेश में यूपी सरकार ने रोड शो के आयोजनों में जिस तरह पापड़ बेले हैं, उससे प्रयासों की ईमानदारी तो झलकी ही है। मगर उत्तर प्रदेश के लिए दक्षिण का एक सबक स्पष्ट है।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुख्य महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संख्या बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संख्या के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षों से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़ एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी. सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव

फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

उर्वरक

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर

पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास

लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

दिल्ली एम्स शुरू करेगा लाइव डोनर लिवर प्रत्यारोपण की सुविधा

नई दिल्ली। नई दिल्ली लोगों में लिवर की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। लिवर प्रत्यारोपण की जरूरतें भी बढ़ती जा रही हैं। इसके मद्देनजर एम्स ने जीवित व्यक्ति के दान से लिवर प्रत्यारोपण शुरू करने की तैयारी की है।इसके लिए एम्स प्रशासन ने गुजरात प्रत्यारोपण विज्ञान विश्वविद्यालय (गुजरात यूनिवर्सिटी आफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज) के वाइस चांसलर डा. प्रांजल मोदी के नेतृत्व में एक आठ सदस्यीय कमेटी गठित की है। इसलिए एम्स जल्द ही लाइव डोनर लिवर प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू करेगा।

इससे लिवर खराब होने की बीमारी से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। मौजूदा समय में एम्स में सिर्फ कैडेवर डोनर (ब्रेन डेड व्यक्तियों के अंगदान में मिले) लिवर प्रत्यारोपण सर्जरी होती है। एम्स में लाइव डोनर लिवर प्रत्यारोपण की सुविधा नहीं है। समस्या यह है कि ब्रेन डेड व्यक्तियों का अंगदान कम होने के कारण कैडेवर डोनर लिवर प्रत्यारोण भी बहुत कम हो पाता है। इस वजह से एम्स में लंबे समय से लाइव डोनर लिवर प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू करने की जरूरत महसूस की जा रही थी। किडनी व लिवर ये दो ऐसे अंग हैं जो जीवित व्यक्ति भी अपने स्वजन को दान कर जीवन बचा सकते हैं।

सोनिया गांधी का पीए बनकर किया फर्जीवाड़ा, दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़े 5 आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राजनेताओं के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार तीन आरोपितों में से एक की पहचान संजय तिवारी नाम के रूप में हुई है।पुलिस

ने बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी की ने एक केंद्रीय मंत्री बनकर संवैधानिक पद पर बैठे एक शख्स को कॉल किया था। केंद्रीय मंत्री के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले शख्स से खुफिया एजेंसी आईबी और स्पेशल सेल संयुक्त रूप से मिलकर पूछताछ कर रही है।

पहले भी कर चुका फर्जीवाड़ा

जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी इससे पहले भी साल 2017 में सोनिया गांधी के पीए बनकर लोगों से बात करता था और उनसे पैसे वसूल करता था।

कैलाश गहलोत ने नए विभागों का संभाला प्रभार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत ने नए आवंटित विभागों का कार्यभार संभालने के बाद सचिवों और आयुक्तों के साथ बैठक की। पूरे दिन चली बैठकों की श्रृंखला में ऊर्जा सचिव, वित्त एवं योजना विभाग के प्रमुख सचिव और आबकारी विभाग के आयुक्त ने वर्तमान में चल रही विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की स्थिति के बारे में मंत्री को अवगत कराया। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने अधिकारियों के साथ बजट की तैयारियों पर भी चर्चा की और लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने को कहा। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत ने एक बयान में कहा, सभी सचिवों और आयुक्तों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में हम सिटीजन सेंट्रिक और प्रगतिशील बजट पेश करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। मैं दिल्लीवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आगामी बजट दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा। पिछले 8 वर्षों में केजरीवाल सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अच्छे कार्यों को हम आगे बढ़ाएंगे। लोगों के अनुकूल बजट पेश करना हमारी प्राथमिकता है और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। कैलाश गहलोत ने हाल ही में वित्त, योजना, लोक निर्माण विभाग, बिजली, गृह, शहरी विकास, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, जल और अन्य सभी विभागों का प्रभार संभाला है जो विशेष रूप से किसी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं। नए आवंटित विभागों का कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों के साथ यह उनकी पहली बैठक थी।

दिल्ली के ओखला लैंडफिल साइट का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार दोपहर को ओखला लैंडफिल साइट का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने साइट पर पड़े कूड़े के बारे में जानकारी ली और जल्द-से-जल्द इसके निस्तारण की भी बातें कही हैं।अपने ओखला लैंडफिल साइट को निरीक्षण करने पहुंचे ने की जानकारी दिल्ली सीएमओ के ट्विटर हैंडल ने अपने आधिकारिक पेज पर तस्वीरें साझा कर दी है। केजरीवाल ने लैंडफिल साइट पर पहुंचकर और वहां कूड़े के निस्तारण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्रोसेसिंग को समझा।

उम्मीद:केजरीवाल

निरीक्षण के दौरान सीएम ने कहा कि इस पहाड़ को मई 2024 तक साफ करने का टारगेट है, लेकिन हम कोशिश करेंगे इसे इस साल दिसंबर तक साफ कर दें।

दिसंबर 2023 के अंत तक कूड़ा साफ होने की

पुलिस ने जब्त किया गाजियाबाद स्थित सपा विधायक इरफान सोलंकी का प्लाट

गाजियाबाद। महाराजगंज जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी का गाजियाबाद में डेढ़ करोड़ रुपये कीमत का प्लाट शुक्रवार को पुलिस ने जब्त कर लिया। शुक्रवार दोपहर को गाजियाबाद पहुंची कानपुर पुलिस की पांच सदस्यीय टीम ने थाना मधुबन बापूधाम पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की।

पुलिस अब तक 40 करोड़ की संपत्ति कर चुकी है जब्त

कानपुर नगर के फीलखाना एसएचओ सुनील कुमार, सब इंस्पेक्टर विवेक शर्मा, एक हेड कांस्टेबल व दो कांस्टेबल के साथ पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि मधुबन बापूधाम आवासीय योजना में इरफान सोलंकी और उनकी पत्नी नसीमा सोलंकी के 300 वर्गमीटर के प्लाट के बारे में जानकारी हुई थी। गैंगस्टर की कार्रवाई के तहत पुलिस आरोपित विधायक व उनके सहयोगियों की संपत्ति जब्त कर रही है। गाजियाबाद स्थित डेढ़ करोड़ रुपये के प्लाट समेत अब तक पुलिस 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है। बता दें कि जाजमऊ डिफेंस कालोनी में महिला नजीर फातिमा के प्लाट पर कब्जा करने के लिए

विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी ने अपने गुर्गों से प्लाट में बनी झोपड़ी में आग लगवा दी थी। जिसके बाद पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कार्रवाई से बचने के लिए विधायक और उनका भाई फरार हुए थे। फर्जी आधार कार्ड से भी यात्रा करने का आरोप था। इस मामले में पुलिस ने विधायक और उनके सहयोगियों आठ पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है।

देश में पहली बार 10 एयरपोर्ट के रन-वे को नापेगा सीआरआरआइ का यंत्र

नई दिल्ली। देश के प्रमुख मार्गों की सेहत की जांच करने वाली देश की राष्ट्रीय प्रयोगशाला केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआइ) पहली बार देश के 10 अहम एयरपोर्टों के रन-वे और उससे जुड़े टैक्सी वे की गुणवत्ता का परीक्षण कर रहा है। एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया की इस पहल से सीआरआरआइ काफी उत्साहित है। पहले चरण में 10 एयरपोर्टों को चिन्हित किया है। यह सीआरआरआइ की पायलट योजना है। इसके बाद देश के अन्य रन-वे को भी इसमें शामिल किया जाएगा। राष्ट्रीय प्रयोगशाला ने इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत वह रन-वे और उससे जुड़े मार्गों के लिए एक बेहतर प्रबंधन तंत्र को विकसित कर रहा है।

इस तकनीक का नाम एयरफील्ड पेमेंट मैनेजमेंट सिस्टम है। यह तकनीक देश में पहली बार विकसित की जा रही है। इससे देश के सभी रन-वे के नेटवर्क का डिजिटाइजेशन किया जा सकेगा। इसके दो लाभ है। पहला, हमारे किस एयरपोर्ट संसाधन को तत?तकाल मरम्मत की जरूरत है। दूसरा, इसके मरम्मत के लिए कौन सी तकनीक की जरूरत है। यह काफी किफायती होगी। इसका लाभ एयरपोर्ट अथारिटी के साथ-साथ यूजर्स को भी मिलेगा। इससे वह एयरपोर्ट तक पहुंचने के

लिए एक सुरक्षात्मक और आरामदायी सफर तय कर सकेंगे, जिससे वाहन की हिफाजत के साथ समय की भी बचत होगी। ये सिस्टम 20 किमी/घंटा से लेकर 100 किमी/घंटा तक की ट्रैफिक गति पर स्वचालित रूप से फील्ड डेटा एकत्र करने में सक्षम हैं।इस मशीन के जरिए रन-वे की हो रही है जांच

सीआरआरआइ इस काम को अपने विशेष यंत्र 'स्वचालित सड़क सर्वेक्षण प्रणाली' के जरिए अंजाम दे रहा है। सड़कों एवं रनवे की स्थिति का सही मूल्यांकन करने के लिए उसके पास यह एक खास किस्म का यंत्र है। यह पूरा सिस्टम एक वैन नुमा गाड़ी में स्थापित है। प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने इस यंत्र का निर्माण भारतीय सड़कों की जरूरत के हिसाब से तैयार कराया है। इसके खास किस्म के कैमरे, लेजर तकनीक, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और छवि प्रसंस्करण उपकरण किसी भी सड़क और रन-वे की सेहत का सही-सही आंकलन करने में सक्षम हैं।दरअसल, इसमें लगे यंत्र और प्रणाली सड़कों की गुणवत्ता का डाटा और आंकड़ा उपलब?ध कराते हैं। इसके बाद प्रयोगशाला में वैज्ञानिक इन आंकड़ों पर शोध करके सड़कों की सेहत का आंकलन करते हैं। इसके बाद इस पर रिपोर्ट तैयार की जाती है। इसके जरिए अब तक 1.5 लाख किलोमीटर एक्सप्रेस वे का सर्वे हो चुका है।

किस तरह से किया एयरपोर्ट का चयन

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और प्रोजेक्ट लीडर रोड एसेट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि हमारा यह वाहन यंत्र के साथ देश के दस बड़े एयरपोर्टों के रन-वे पर दौड़ रहा है।उन्होंने कहा कि दरअसल, जनसंख्या धनत्व के साथ एयरपोर्टों पर रन-वे और टैक्सी वे मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ा है। इसलिए यह जरूरी है कि इन मार्गों की सेहत का परीक्षण के लिए एक सिस्टम विकसित किया जाए। इसके लिए एक कुशल प्रबंधन तैयार कराया जाए। उन?होंने कहा कि इन रनवे के चयन के पीछे धारणा है कि भौगोलिक दृष्टि से देश को 6 क्लाइमेट जोन में बांटा गया है। हमारा मकसद देश के विविध हिस्सों जलवायु का रन-वे पर पड़ने वाले प्रभाव को भी देखना है। वैज्ञानिकों के इस टीम में सीएसआइआर-सीआरआरआइ के निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा, प्रमुख पीईडी व इंजीनियर सुनील जैन शामिल हैं।

बेजुबान जानवर के साथ घिनौनी हरकत करने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के हरि नगर इलाके के झील वाले पार्क में 27 फरवरी को एक व्यक्ति ने एक स्ट्रीट डॉग के साथ बलात्कार किया था। इस क्रूरता का वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आया था। बाद में इसकी शिकायत हरि नगर में एक डॉग फीडर देवेंद्र कुमार ने की थी। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया था और इसकी जांच शुरू कर दी थी। हालांकि, इस दौरान आरोपित की पहचान को लेकर कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। आला अधिकारियों के निर्देश पर हरि नगर थाना पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाई। पुलिस कर्मी सिविल ड्रेस में हरि नगर इलाके के अलग-अलग पार्कों में आरोपित की तलाश में जुट गए। इस दौरान आरोपित की फोटो लेकर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। कई पार्कों में तलाशने के बाद आखिरकार पुलिस को कामयाबी मिली और हरि नगर स्थिति झील वाले पार्क से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित की पहचान शंकर के रूप में हुई, जो बिहार का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही आरोपित का मेडिकल चेकअप करवा कर उसके दिमागी हालात के बारे में भी जानने की कोशिश की जा रही है।

नोएडा में सैक्स रैकेट का खुलासा, मालकिन समेत 7 लोग गिरफ्तार, आपत्तिजनक सामान भी बरामद

नोएडा। जिले के सलारपुर कॉलोनी में सेक्स रैकट का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने मालकिन समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि पुलिस की इस कार्यवाही में दो महिलाओं को मुक्त कराया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक कुछ महिलाओं को उनके परिजन ही जबरन इस धंधे में धकेल रहे हैं। यह मामला थाना-39 का है।एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार रात को

पुलिस को सूचना मिली कि सलारपुर कॉलोनी में सेक्स रैकेट चल रहा है। पुलिस ने मौके पर जाकर छापेमारी की।पुलिस ने मौके से देह व्यापार का धंधा कर रहे माला देवी, मनप्रीत और ग्राहक अनिल, राजन, सगीर, अभिषेक और हरीश को गिरफ्तार किया है।

इस पूरे सेक्स रैकेट को महिला माला देवी अपने सहयोगी मनप्रीत के साथ मिलकर चला रही है। उन्होंने बताया कि मौके से दो महिलाओं को पुलिस ने मुक्त कराया है, जिनसे जबरन देह व्यापार करवाया जा रहा था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि कुछ महिलाओं को उनके परिजन ही जबरन इस धंधे में धकेल रहे हैं। पुलिस ने आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए है। आरोपियों के खिलाफ देह व्यापार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

महाठग सुकेश ने मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर लिखा पत्र, कहा- 'सच्चाई की हमेशा जीत होती है'

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दिल्ली की मंडोली जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर अपने वकील के जरिए मीडिया के एक पत्र लिखा है।

महाठग ने अपने इस लंबे चौड़े पत्र में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर खुशी जताई है और अपनी शिकायतों के सही ठहराया है। सुकेश के इस पत्र में उनके वकील ने लिखा, 'मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि महा ठगों आम आदमी के संबंध में मेरी शिकायतें अब सही साबित होने लगी हैं। सच्चाई की हमेशा जीत होती है वो फिर जल्दी हो या बाद में हो। 'सबसे पहले मैं आपको बता दूं कि जैसा मैंने अपनी शिकायतों में पहले

कहा कि सिसोदिया ने उपमुख्यमंत्री बनने के बाद सभी विभागों को कमीशन के जरिए लूटा है। मैंने और मुख्यमंत्री ने उन्हें ऐसा करते हुए करीब से देखा है। उनका करीब होने के नाते मैं उनके काम करने के तरीके को जानता हूं।' सुकेश ने अपने पत्र में केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए लिखा,'आज केजरीवाल स्कूलों, बच्चों और शिक्षा और सिसोदिया मॉडल- दिल्ली स्कूल मॉडल के बारे में बात कर रहे हैं। जैसा कि मैंने पहले कहा कि मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन ने गरीब बच्चों की शिक्षा कल्याण के लिए खरीदे टेबलेट में भी चाइनीज कंपनी के माध्यम से हेरफेर की है। बाद में किताबों, स्टेशनरी आदि के ठेके को भी उन कंपनियों को दिया गया, जो छोटी-से-छोटी ठेके के लिए उन्हें रिश्वत दे रही थीं।' साथ ही उन्होंने अलग-अलग कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से अरविंद केजरीवाल पर 1000 करोड़ रुपये का कमीशन लेने का आरोप लगाया है।

मुझे ठग कहने से पहले खुद को देखो: सुकेश

'टैबलेट सौदे की सभी जानकारी और सबूत मेरे द्वारा केंद्रीय एजेंसी को दे दूंगा तो सिसोदिया आप ये न सोचें की यह सिर्फ एक्साइज पॉलिसी का मामला है। मैं तुम्हारे बहुत से राजों का पर्दाफाश करूंगा और लोगों को तुम्हारा चरित्र दिखा दूंगा और बताऊंगा कि यह कैसा घोटालेबाज है। आप और आपके प्यारे भाई मुझे ठग कह रहे हैं, लेकिन एक बार आप खुद को तो देखलो।'

केजरीवाल ने दिल्ली का विकास पूरी तरह से ठप कर दिया है: भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर दिल्ली सरकार की विफलता गिनाई। इस दौरान कहा कि पिछले 8 साल में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली का विकास पूरी तरह से ठप कर दिया है। साथ ही दिल्ली को भ्रष्टाचार और घोटालों की राजधानी बना दिया है।

दिल्ली प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि अरविंद केजरीवाल राजनीतिक रूप से बुरी तरह फंस गए हैं और उससे बाहर निकलने के लिए छटपटा रहे हैं। कहा कि समय आ गया है कि उनके इस कुकृत्य को घर-घर तक पहुंचाया जाए। कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल हमेशा यह दावा करते रहे कि दिल्ली को उन्होंने देश के सर्वोत्तम स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री दिए हैं लेकिन उन्होंने देश को 2 घोटालों के मास्टरमाइंड मंत्री दिए जो आज जेल में हैं, बार-बार कोशिश के बावजूद उन्हें जमानत नहीं मिल पा रहा है। सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री हमेशा विकास की बात करते हैं, लेकिन

विकास कहां और किस स्तर पर हो रहा है यह किसी की समझ में नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को कोविड-काल मे बिना सहारे के छोड़ दिया। 70 लाख गरीबों को निशुल्क राशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। अगर दिल्ली से केंद्र सरकार के विकास कार्यों को हटा दिया जाए तो दिल्ली में विकास की कल्पना तक नहीं की जा सकती। सचदेवा के अनुसार दिल्ली में केंद्र सरकार के सहयोग के बिना स्वास्थ्य सेवाएं भी बेहतर नहीं रह सकती क्योंकि एम्स, सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिंग अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सुविधा केंद्र सरकार के सहयोग से दी जा रही है। वहीं नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री विकास की बात करते हैं लेकिन हकीकत ये है कि केजरीवाल सरकार क्लासरूम घोटाला, डीटीसी घोटाला, बिजली सब्सिडी घोटाला और जल बोर्ड में लगभग 58 हजार करोड़ रुपये का घोटाला कर दिल्ली को सिर्फ लूटने का काम किया है। स्वास्थ्य सेवा में बेहतरी करने की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले केजरीवाल सरकार ने सात अस्थाई अस्पताल बनाने में घोटाला किया है, जिसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने से पहले केजरीवाल को 15 हजार बसों की जरूरत महसूस हुई थी लेकिन सरकार बनने के बाद केजरीवाल ने एक भी बस नहीं खरीदी। एक हजार मोहल्ला क्लीनिक खोलने की बात करने वाले केजरीवाल सिर्फ 350 मोहल्ला क्लीनिक खोल पाए जिसमें दवा और अन्य सुविधाएं नहीं हैं। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली की सड़कें टूटी हुई हैं। यमुना सफाई के लिए केंद्र सरकार की तरफ से दिए गए 25 सौ करोड़ रुपये का क्या हुआ, इसका कोई हिसाब किताब नहीं है। शिक्षा की बात करने वाले केजरीवाल को यह बताना चाहिए कि आखिर 50 स्कूल बंद क्यों हो गए। एजुकेशन के मामले में दिल्ली आठवें स्थान पर क्यों है।उन्होंने कहा कि आप सरकार के भ्रष्टाचार ने दिल्ली का खजाना पूरी तरह से खाली कर दिया है। हालत यह है कि दिल्ली सरकार कंगाल हो चुकी है। हालत यह हो चुकी है कि कई योजनाएं लागू करने में दिल्ली सरकार फेल हो गई। यहां तक कि फ्री वाईफाई भी बंद कर दिया गया है। मोहल्ला क्लिनिक में डॉक्टर स्टाफ को सैलरी नहीं मिल रही है।

नोएडा व यमुना प्राधिकरण के पांच अफसर कार्यमुक्त

नोएडा। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के बाद भी जमे हुए 5 अधिकारियों को कार्यमुक्त कर दिया है। ये अधिकारी नोएडा अथॉरिटी और यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में जमे हुए थे। इन पांच अधिकारियों को कार्यमुक्त कर मूल विभाग में भेजने के आदेश जारी किए गए हैं। यीडा में प्रबंधक प्रशासन सामान्य के पद पर कार्यरत नागेंद्र, सहायक प्रबंधक सिविल भीष्म दत्त शर्मा, नोएडा प्राधिकरण में कार्यरत सहायक प्रबंधक सिविल अमित कुमार, प्रदीप शर्मा और राजकुमार को कार्यमुक्त किया गया है। इन पांचों अधिकारियों को विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में 3 वर्षों के लिए प्रतिनियुक्त तैनात किया गया था, लेकिन पांच अधिकारी प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के 8 महीने से 1 वर्ष की अवधि बीतने के बाद भी वहां जमे हुए थे।मामला नंदी के संज्ञान में आने पर उन्होंने इसे गंभीर अनुशासनहीनता माना है। औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि शासन के आदेश की अवहेलना करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में तेज रफ्तार बस ने टोल प्लाजा पर गार्ड को मारी टक्कर, हुई मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी लुहारली टोल प्लाजा पर एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बस ने सिक्योरिटी गार्ड को जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। तेज रफ्तार से आती हुई अनियंत्रित बस डिवाइडर फांद कर दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां पर गार्ड को टक्कर मारी और फिर दूसरे डिवाइडर पर चढ़ गई। ये पूरी घटना टोल पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। ये घटना दादरी थाना क्षेत्र की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दिनांक 1 मार्च की रात को थाना दादरी क्षेत्र के अंतर्गत 1 मिनी बस लुहारली टोल पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुये दूसरी लाइन में जा पहुंची, जिसमें टोल के सुरक्षा कर्मी छोटे लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे अस्पताल ले जाया गया। मिनी बस ड्राइवर को भी घायल अवस्था में अस्पताल भेजा गया। उपचार के दौरान सुरक्षा कर्मी छोटे लाल की मौत हो गयी। शव का पंचायतनामा भर आवश्यक कार्यवाही की गयी। प्रकरण में अभियोग पंजीकृत है। ड्राइवर को हिरासत में लेते हुये बस को कब्जे में ले लिया गया है।

नोएडा में बनेगा देश का सबसे बड़ा हेलीपोर्ट, सेक्टर-151ए में बनाने के लिए खुली तकनीकी बिड

नोएडा। देश का सबसे बड़ा हेलीपोर्ट नोएडा के सेक्टर-151ए में बनाया जाएगा। इसके बनने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि निर्माण कंपनी चयन के लिए प्राधिकरण को तकनीकी बिड खोलने के लिए शासन से अनुमति दे दी है। इसके बाद परियोजना की तकनीकी बिड खोल दी गई। इसमें रिफ्लेक्स एयरपोर्ट एवं ट्रांसपोर्टेशन प्राइवेट लिमिटेड का चयन हुआ है। तकनीकी बिड में कंपनी की ओर प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों का परीक्षण करने के लिए नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने फाइल को सलाहकार कंपनी राइट्स के पास भेज दिया है। वहां से आने के बाद फाइनेंशियल बिड खोली जाएगी।

इसके बाद बांड साइन किए जाएंगे। यदि सब ठीक रहा तो कंपनी आगामी एक महीने में निर्माण शुरू कर सकती है।हेलीपोर्ट का निर्माण पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर किया जाना है। इसकी प्री बिड में 4 कंपनियां आई थी। कयास लगाए जा रहे थे कम से कम तीन कंपनियां बिड में शामिल होंगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सिंगल कंपनी ही आई। ऐसे में शासन के पास फाइल को भेजा गया। वहां से अनुमति मिलने के बाद आज शाम को तकनीकी बिड खोली गई। इससे पहले 31 मार्च को ग्लोबल टेंडर के जरिए भी एक ही कंपनी आई थी। लेकिन फाइनेंशियल बिड में कंपनी डिसक्वालीफाई कर गई थी।नोएडा के सेक्टर 151ए में प्रस्तावित हेलीपोर्ट के निर्माण में 43.13 करोड़ रुपए खर्च कर किए जाएंगे। इसका डिजाइन बेल 412 (12 सीटर) के अनुसार तैयार किया गया है। हेलीपोर्ट में 5 बेल 412 के पार्किंग ऐप्रन की सुविधा होगी। इस हेलीपोर्ट में वीवीआईपी या आपातकाल के समय 26 सिटर एमआई 172 भी उतारा जा सकेगा।

भारत-आस्ट्रेलिया

भारत को मिली घर में सबसे बड़ी हार

कप्तान रोहित शर्मा के नाम हुआ सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में तीन दिन के अंदर भारत को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर चार मैचों की सीरीज में वापसी की और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी अपनी जगह पक्की कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 76 रने के लक्ष्य को एक विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के बाद भी ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 1-2 से पीछे है। इसके साथ ही रोहित शर्मा के नाम सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ।

सबसे कम गेंदों में हार गई टीम इंडिया

इस मैच में भारतीय टीम और उसके कप्तान रोहित शर्मा के नाम घर में सबसे कम गेंदों में हार का रिकॉर्ड दर्ज हुआ। इस मैच में 1135 गेंदें लगीं। इससे पहले इंग्लैंड और भारत के बीच कानपुर में 1951/52 में 1459 गेंदों में मैच का रिजल्ट निकला था, जो भारत के खिलाफ गया था।

- **पिछले 10 साल में घर में भारत की तीसरी हार** – पिछले 10 सालों में भारतीय टीम की अपने घरेलू मैदान पर यह तीसरी हार है। इससे पहले 2017 में स्टीव स्मिथ वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पुणे में हराया था, जबकि 2021 में जो रूट की इंग्लिश टीम ने चेन्नई टेस्ट में जीत दर्ज की थी।
- **3 दिन में छठी बार भारत हारा** – टेस्ट इतिहास में छठा बार ऐसा हुआ कि भारत अपने घर में सिर्फ 3 दिन में हार गया। पहली बार वह 1951 में इंग्लैंड के खिलाफ कानपुर में हारा था। इसके बाद 1999 में साउथ अफ्रीका, 2000, 2017 और अब 2023 में ऑस्ट्रेलिया से हारा है।

इंग्लैंड-बांग्लादेश

जेसन रॉय लय में, ठोका 12वां वनडे शतक, मार्कस ट्रेस्कोथिक का रिकॉर्ड टूटा

ढाका (एजेंसी)। ढाका के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने शानदार शतक ठोककर अपनी टीम को 326 रन तक पहुंचा दिया। टॉप क्रम में सॉल्ट, मलान, जेम्स विंस के जल्द आऊट होने के बाद जेसन रॉय ने अकेले ही टीम को संभाला। रॉय जब 36वें ओवर में आऊट हुए तब तक वह 205 में से 132 रन बना चुके थे। रॉय का यह वनडे फॉर्मेट में 12वां शतक है। वह इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक शतक लगाने की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज

16 जो रूट
13 इयोन मोर्गन
12 मार्कल ट्रेस्कोथिक
12 जेसन रॉय
11 जॉनी बेयरस्टो
10 जोस बटलर
9 केविन पीटरसन
8 ग्राहम गूच
7 डेविड गॉवर
6 एलेक्स हेल्स

इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज – जेसन रॉय के 15 मैचों में 4252 रन हो गए हैं। वह इंग्लैंड की ओर से वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 10वें नंबर पर आ गए हैं। बता दें कि इंग्लैंड के लिए अब तक 225 मैचों में इयोन मोर्गन ने 6957 रन बनाए हैं। इसके बाद जो रूट (6207) का नाम आता है। रूट ने 158 मुकाबले खेले हैं। इसी तरह इयान बेल ने 161 मुकाबलों में 5416 तो पॉल कोलिंगवुड ने 197 मुकाबलों में 5092 रन बनाए हैं।

लाबुशेन का खुलासा

रोहित से भारतीय परिस्थितियों में खेल सीखने की इच्छा व्यक्त की थी

इंदौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और दुनिया के नंबर 1 मौजूदा टेस्ट बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 के तीसरे टेस्ट की शुरुआत से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ हुई विशेष बातचीत का खुलासा किया है। पहले दो टेस्ट में करारी हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में वापसी करते हुए 9 विकेट से जीत दर्ज की।

एक अविश्वसनीय जीत के बाद लाबुशेन ने तीसरे टेस्ट की शुरुआत से पहले रोहित शर्मा के साथ हुई बातचीत के बारे में बात की। उन्होंने खुलासा किया कि वह भारतीय कप्तान के साथ थे, जब उन्होंने शर्मा से भारतीय परिस्थितियों में खेलने की रणनीति सीखने की इच्छा व्यक्त की, जो उनके और उनकी टीम के लिए अलग थी।

लाबुशेन ने कहा, जब हम वॉक कर रहे थे तो मैंने रोहित से कहा। मैंने कहा, तुम जो भी करते हो मैं देख रहा हूं, मैं सीखना चाहता हूं। तुम लोग इन परिस्थितियों में सर्वश्रेष्ठ हो। हम इन परिस्थितियों के लिए विदेशी हैं। आप विपक्ष से सीखते हैं, आप जिस तरह से करते हैं उससे आप सीखते हैं। हम कोशिश करते हैं और प्रत्येक खेल के साथ सीखते हैं और बढ़ते हैं।

इस 28 वर्षीय ने कहा, हमें सीखना जारी रखना है और सुनिश्चित करना है कि पहला टेस्ट, दूसरा टेस्ट समान नहीं है। हमें सीखते रहने की आवश्यकता है। सभी ने अपने विकल्पों पर दोबारा गौर किया, सभी ने अपनी योजनाओं और अपनी तकनीकों पर दोबारा गौर किया।

लाबुशेन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैंने 4 या 5 अलग-अलग तरीकों से बल्लेबाजी की है। मैं अंदर आया हूं, मैंने स्वीप किया है। लेकिन मुझे लगता है कि जैसे-जैसे श्रृंखला आगे बढ़ी, मुझे वे फ्री शॉट्स नहीं मिले, जैसा कि मैंने श्रृंखला शुरुआत में किया था। हमने अभी कहा कि हमें अपने बचाव पर अधिक भरोसा करना होगा। हम सभी खड़े होकर बाहर निकलने वाले हैं, स्टीव को वास्तव में अच्छी गेंद मिली, जो बस घूमी और बढ़त हासिल की। लेकिन हमें अपने बचाव पर भरोसा रखने की जरूरत थी। एक बार शांत हो जाओ, खेल खुल जाएगा।

ट्रेविस हेड ने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और इसने शानदार काम किया:मार्क टेलर

इंदौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने इंदौर में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में मेहमान टीम की 9 विकेट से जीत की अगुआई करने वाले बल्लेबाज ट्रेविस हेड की तारीफ करते हुए कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज ने दबाव बनाया जिसने गेंदबाजों पर बहुत अच्छा काम किया। चोटिल डेविड वार्नर की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग करते हुए हेड ने तीसरे दिन के खेल में दूसरी पारी में 76 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 49 रन बनाकर मेहमान टीम को 18.5 ओवर में यादगार जीत दिलाई।

मार्क टेलर ने कहा, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ा सक्रिय होना था, लेकिन जैसा कि हमने दूसरे टेस्ट में देखा जब उन्होंने रिवर्स स्वीप और सब कुछ स्वीप करने का फैसला किया, सक्रिय होने का मतलब जल्दबाजी नहीं है। इसके लिए किसी को बटन दबाने और कहने की जरूरत थी कि गेंदबाज पर फिर से दबाव बनाना होगा। वह क्षण था जब ट्रैविस हेड ने सोचा, अच्छा अब मैं जा रहा हूं, मैं कोशिश करने जा रहा हूं और गेंदबाज पर दबाव डालूंगा, और यह शानदार ढंग से काम करता है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रदर्शन को उत्कृष्ट भी कहा, खासकर जब टीम दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच बहुत सारे बदलावों से गुजरी। उन्होंने कहा, एक बहुत ही औसत पिच और यह अच्छी तरह से डाल रहा है, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। टॉस हारने के पर भी उन्होंने टॉस जीता और फायदा हुआ।इस मैच में उन्होंने खिलाड़ियों को आउट किया, कप्तान चला गया, फिर एक उग्र टर्नर पर टॉस हारने और फिर भी 9 विकेट से जीत हासिल करना शानदार प्रयास है।

इंदौर में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने चार मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है। वहीं 7-11 जून से द ओवल में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी जगह पक्की कर ली है। सीरीज का चौथा और आखिरी टेस्ट 9 मार्च से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईपीएल 2023:मुंबई टीम में जसप्रीत बुमराह की जगह ले सकते हैं ये 5 खिलाड़ी

इंदौर (एजेंसी)। दिग्गज तेज गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह पिछले साल से पीठ की चोट से परेशान है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनके ठीक होने की अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन उनकी चोट फिर उभर आई जिसकी वजह से वह अब सर्जरी करवाने को मजबूर हैं। इस वजह से उन्हें आईपीएल सहित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल से भी बाहर होना पड़ेगा, अगर भारत क्वालीफाई करता है तो। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि बुमराह के अलावा मुंबई इंडियंस में कौन उनकी जगह ले सकता है।

तेज गेंदबाज ने 60 टी20आई मैचों में 6.62 की इकॉनोमी से 70 विकेट हासिल किए हैं, जो शानदार है। यह देखते हुए कि वह पारी के अंत में बहुत अधिक प्रभावशाली होता है और कई बार मैच का पासा भी पलटा है। बुमराह ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को भी अपना शिकारगाह बना लिया है। वह मुंबई इंडियंस के लिए गेंद से स्ट्राइक फोर्स रहे हैं और 120 मैचों में 7.39 की इकॉनमी से 145 विकेट हासिल किए हैं। आईए जानते हैं उनका रिप्लेसमैंट कौन हो सकता है।

मोहित अवस्थी

- 13 प्रथम श्रेणी मैच - 27.59 की औसत से 37 विकेट
- 12 लिस्ट-ए मैच - 5.50 की इकॉनमी से 17 विकेट
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2022 सीजन - 7 मैचों में 7.88 की इकॉनमी से 10 विकेट
- रणजी ट्रॉफी - 7 पारियों में 21 विकेट

शशांक सिंह

- 23-लिस्ट ए मैच - 99.25 की स्ट्राइक रेट से 536 रन, गेंदबाजी में 5.52 की इकॉनमी से 22 विकेट
- टी20 - 48 मैचों में 140.68 की स्ट्राइक रेट से 536 रन, 8.38 की इकॉनमी से 10 विकेट
- आईपीएल 2022 - 10 मैचों में 146.81 की स्ट्राइक रेट से 69 रन

बासिल थम्पी

- 45 प्रथम श्रेणी मैचों - 30.82 की औसत से 102 विकेट
- लिस्ट-ए प्रारूप - 31 मैचों में 5.36 की इकॉनमी से 41 विकेट
- 2022 की मेगा नीलामी में मुंबई ने साइन किया और 9.50 की इकॉनमी से 5 विकेट

धवल कुलकर्णी

- 92 प्रथम श्रेणी मैच - 27.24 की औसत से 274 विकेट
- लिस्ट-ए प्रारूप - 129 मैचों में 4.66 की इकॉनमी से 223 विकेट
- 2008 से 2013 सीजन तक और फिर 2020 से 2021 तक मुंबई इंडियंस से जुड़े
- आईपीएल में 35 मैच खेले और 8.09 की इकॉनमी से 36 विकेट लिए।

संदीप शर्मा

- 52 प्रथम श्रेणी मैच - 27.19 की औसत से 183 विकेट
- लिस्ट-ए फॉर्मेट - 61 मैचों में 25.79 की औसत से 98 विकेट
- टी20 टूर्नामेंट्स - 104 आईपीएल मैचों में 7.77 की इकॉनमी से 114 विकेट

'मैंने 350 रुपए खर्च किए थे', भारत की हार पर पिच पर फूटा दर्शकों का गुस्सा, आए ऐसे रिएक्शन

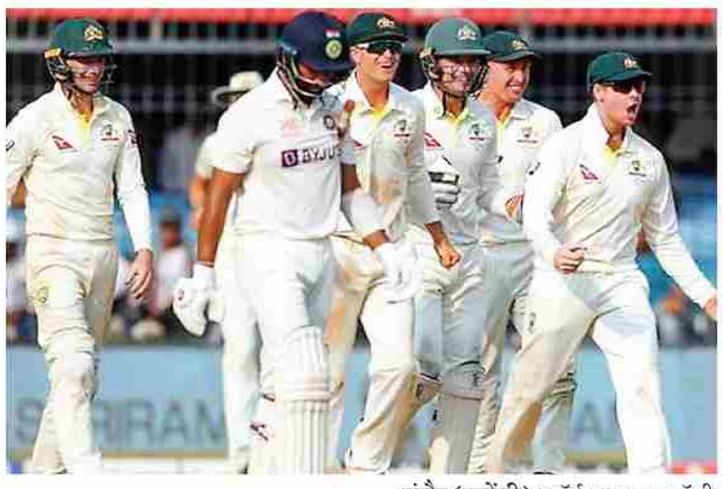

इंदौर (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी स्पर्धा के तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को मेजबान भारत की ऑस्ट्रेलिया से नौ विकेट से करारी हार से नाखुश भारतीय दर्शकों ने इंदौर के होलकर स्टेडियम के पिच पर जमकर भड़ास निकाली। गौरतलब है कि होलकर स्टेडियम के मैदान को 'बल्लेबाजों का स्वर्ग' कहा जाता है, लेकिन इस टेस्ट मैच में इसके पिच पर फिरकी गेंदबाजों ने इस तरह धड़ाधड़ विकेट गिराए कि यह 'बल्लेबाजों की कब्रगाह' साबित हुआ।

गहरी निराशा के साथ स्टेडियम से बाहर निकले दर्शक केके राय ने कहा,'मैच का नतीजा टेस्ट क्रिकेट के लिए कतई अच्छा नहीं है जो खेल का शास्त्रीय प्रारूप है। अगर ऐसे ही नतीजे आते रहे, तो एक दिन दर्शकों के बीच टेस्ट क्रिकेट की अहमियत खत्म हो जाएगी।' उन्होंने कहा,'भारत में इन दिनों टेस्ट मैच में केवल फिरकी गेंदबाजों को मदद करने वाले पिच बनाए जा रहे हैं। यह सही नहीं है।' भारत की करारी हार के बाद स्टेडियम से बाहर निकले दर्शक हरिओम आंजना ने मैच का टिकट फाड़कर विरोध जताया। उन्होंने कहा,'मैं एक विद्यार्थी हूं और मैंने 350 रुपए खर्च कर यह टिकट लिया था। मैंने सोचा था कि भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन मेरी यह उम्मीद पूरी नहीं हो सकी।'

बुजुर्ग दर्शक सतीश बब्बर ने कहा,'भारत में खेले जा रहे टेस्ट मैचों में केवल फिरकी गेंदबाजों को मदद करने वाली पिच बनाई जा रही है, जबकि टी20 क्रिकेट शुरू होने के बाद ज्यादातर दर्शक टेस्ट मैचों में भी चौके-छक्कों वाली बल्लेबाजी देखने की हसरत लिए स्टेडियम पहुंचते हैं। आयोजकों को यह बात समझनी चाहिए।' लकर स्टेडियम से बाहर निकलीं शिवानी जैन ने कहा,'टेस्ट मैच के लिए ऐसा पिच नहीं बनाया जाना चाहिए जिससे केवल फिरकी गेंदबाजों को फायदा मिले। बीसीसीआई को इस मामले में उचित कदम उठाने चाहिए।' कई दर्शकों ने टेस्ट मैच के पूरे पांच दिन नहीं चल पाने पर यह कहते हुए निराशा का इजहार किया कि इससे उनके टिकट की रकम वसूल नहीं हो सकी। दर्शकों में शामिल सौरभ ने टेस्ट मैच के तीसरे ही दिन खत्म होने के लिए पिच को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा,होलकर स्टेडियम के पुराने इतिहास को देखते हुए हमें उम्मीद थी कि इसका पिच बल्लेबाजों के लिए वरदान साबित होगा, लेकिन इसने केवल फिरकी गेंदबाजों की मदद की जिससे मैच तीसरे ही दिन खत्म हो गया।

मेघालय इतिहास रचने के करीब

कर्नाटक को 54 साल में पहली संतोष ट्राफी की तलाश

रियाद (एजेंसी)। मेघालय की टीम शनिवार को यहां संतोष ट्राफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ मैदान में उतरेगी और उसकी कोशिश पहला खिताब अपनी झोली में डालने की होगी जबकि प्रतिद्वंद्वी टीम 54 साल में पहली बार ट्राफी हासिल करने के लिए प्रयासरत होगी।

पूर्वोत्तर का यह छोटा सा राज्य अगर ट्रॉफी जीतता है तो यह ऐतिहासिक होगा जबकि कर्नाटक के पास इतने लंबे इंतजार को खत्म करने का मौका होगा। मेघालय ने अपने पहले सेमीफाइनल में एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पूर्व चैम्पियन पंजाब को हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई।

कर्नाटक ने 1968-69 के सत्र में पिछली बार संतोष ट्राफी जीती थी तब उसे मैसूर बोला जाता था। कर्नाटक 1975-76 के फाइनल में बंगाल से हारकर उप विजेता रही थी। मौजूदा चरण से पहले यह उनकी पिछली खिताबी भिड़ंत थी। सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) संतोष ट्राफी के सेमीफाइनल, फाइनल और तीसरे स्थान के मैच की मेजबानी कर रहा है। फाइनल में कौन चैम्पियन बनेगा, इसकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। पूर्व चैम्पियन पंजाब और सेना फाइनल में खेलने के प्रबल दावेदार थे लेकिन मेघालय और कर्नाटक ने अपने से मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर उलटफेर किया।

'हमें पुजारा और श्रेयस से बल्लेबाजी सीखनी चाहिए'

रोहित ने तीसरे टेस्ट में हार के बाद दी प्रतिक्रिया

इंदौर (एजेंसी)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 विकेट से करारी शिकस्त मिली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह फेल रही। भारत पहली पारी में जहां 109 रनों पर सिमट गया, वहीं दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाज 163 रन ही बना पाए। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में जीत के लिए 76 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे मेहमानों ने तीसरे दिन ही हासिल कर लिया। इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट की पिच को जहां ज्यादातर भारतीय बल्लेबाज समझ नहीं पाए, वहीं टीम के दो बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और श्रेयस अय्यर ने दूसरी पारी में थोड़ा जज्बा दिखाया। इन दोनों बल्लेबाजों की बदौलत ही भारत दूसरी पारी में 150 का स्कोर पार कर पाया।

इंडिया ओपन : जस्विन ने लंबी कूद का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जीता गोल्ड मेडल

विजयनगर (एजेंसी)। युवा प्रतिभावान एथलीट जस्विन एल्ड्रिन ने गुरुवार को पुरुषों की लंबी कूद का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करते हुए इंडिया ओपन थ्रो एंड जम्प प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। जस्विन ने यहां आयोजित प्रतियोगिता में 8.42 मीटर की छलांग लगाकर मुरली श्रीशंकर के 8.36 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा। केरल के मुहम्मद यहिया ने 7.85 मीटर की छलांग लगाकर रजत जीता, जबकि ऋषभ ऋषिश्वर ने 7.77 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

पहली छलांग से ही लय में नजर आए एल्ड्रिन ने 8.05 मीटर के प्रयास के साथ शुरुआत की। उन्होंने दूसरे प्रयास में 8.26 मीटर की छलांग लगायी और 8.42 मीटर की तीसरी छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करते हुए स्वर्ण हासिल किया। तमिलनाडु के 21 वर्षीय एथलीड जस्विन की अब तक की सर्वश्रेष्ठ कूद 8.26 मीटर की थी। उन्होंने पिछले साल फेडरेशन कप में 8.37 मीटर की छलांग भी लगायी थी मगर हवा की रफ्तार ज्यादा होने के कारण उस प्रयास को रद्द कर दिया गया था। इस बार हालांकि हवा की रफ्तार दो मीटर/सेकंड से कम होने के कारण जस्विन के प्रयास को वैध माना गया।

अपनी उपलब्धि के बारे में बोलते हुए एल्ड्रिन ने कहा, मैं पिछले साल राष्ट्रीय रिकॉर्ड

तोड़ना चाहता था लेकिन दुर्भाग्य से हवा के कारण ऐसा नहीं कर सका। मुझे खुशी है कि आखिरकार मैंने अपने घरेलू मैदान इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएसी) में रिकॉर्ज तोड़ा। मैं खुश हूं कि राष्ट्रीय रिकॉर्ड अब मेरे नाम है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने जस्विन को बधाई देते हुए ट्वीट किया, तमिलनाडु के जस्विन एल्ड्रिन ने दूसरी भारतीय ओपन जंप प्रतियोगिता में पुरुषों की लंबी कूद में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। जस्विन ने 8.42 मीटर की छलांग लगाकर मुरली श्रीशंकर के 8.36 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा। बधाई हो जसविन! इसी तरह आगे बढ़ते रहो!

इससे पूर्व, महिलाओं की ऊंची कूद में आईआईसी की रुबीना यादव और अभिनय शेट्टी ने 1.74 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि तमिलनाडु की निरंजना संपत ने 1.60 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं की ट्रिपल जंप में केरल की गायत्री शिवकुमार ने 12.98 मीटर के मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की आर पुनीता ने 12.39 की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक जीता, जबकि आईआईएस एथलीट शारवरी पारुलेकर ने 12.30 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता।

गृहमंत्री और सीएम की लड़ाई में मेरा निलंबन हुआ : जीतू पटवारी

भोपाल, 03 मार्च (एजेन्सी)। विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने शुक्रवार को कहा कि गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की आपसी लड़ाई में मुझ पर कार्रवाई हुई। कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने कहा कि हमारे अध्यक्ष संविधान की शपथ और धर्म नहीं निभा रहे हैं। उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कमलनाथ जी के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी लाई है। वो चर्चा से भागे हैं। किताबें फेंक कर भाग गए। क्योंकि चोरी करने वाला कभी मुंह नहीं दिखाता, मुंह छिपाकर भागता है। 13 मार्च को हिसाब देना पड़ेगा। इस दिन के कार्यक्रम पर निर्णय नेता प्रतिपक्ष, कमलनाथ जी और कांग्रेस पार्टी करेगी।

निलंबन पर सवाल उठाते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि मैंने जो बोला, वही लिखकर दिया है। वही प्रश्नों में भी है। उन्हीं बातों पर मैं अब भी कायम हूं। अगर कोई गलती होती, तो कल ही खेद व्यक्त कर देता। मैंने जो कहा, वो संविधान के अनुरूप, पार्टी के अनुरूप कहा। संयमित भाषा में सही शब्दों में कहा। कोई गलती नहीं की। वहीं, शुक्रवार को जीतू पटवारी ने विधानसभा में हुई बहस का एक वीडियो जारी किया। इसमें वह 2016, 2019 में सीएम के किसानों की आय दोगुनी करने की बात का जिक्र करते हुए कह रहे है कि इस बारे में मैंने कई बार पूछा। मुझे जवाब दिया गया कि जानकारी एकत्रित की जा रही है। हर्ष विजय गहलोत के सवाल के जवाब में कहा कि हमने ऐसा कभी भी नहीं कहा। पटवारी ने आगे कहा कि किसानों की आय बढ़ी नहीं घटी है। खेती के लिए फ़र्टिलाइज़र और उपयोग में लाए जाने वाले संसाधनों की कीमतें बढ़ी हैं।

देश को बदनाम करना राहुल गांधी की आदत बन गई है : अनुराग ठाकुर

राजेश अलख

नई दिल्ली, 03 मार्च। पेगासस को लेकर राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि पेगासस राहुल गांधी के दिलो-दिमाग में बैठ गया है। विदेशी धरती से बार-बार देश को बदनाम करना उनकी आदत बन गई है और वे एक बार फिर विदेश की धरती पर रोने-धोने का काम कर रहे हैं।

पेगासस को लेकर राहुल गांधी के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए ठाकुर ने सवाल पूछा कि पेगासस का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी की क्या मजबूरी थी कि उन्होंने जांच के लिए अपना मोबाइल जमा नहीं करवाया? वो नेता (राहुल गांधी) जो भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर हैं, उनके मोबाइल में ऐसा क्या था जो उनको छिपाने की जरूरत थी? उन्होंने और अन्य नेताओं ने अपना मोबाइल फोन जमा क्यों नहीं करवाया?

अनुराग ठाकुर ने दुनिया भर में बढ़ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद, प्रभाव और सम्मान का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल जी किसी और की नहीं तो इटली की प्रधानमंत्री और उनके नेताओं की ही सुन लेते कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में क्या कहा है।

इटली की प्रधानमंत्री ने कहा है कि दुनियाभर में मोदी को जो प्यार मिला है और जिस तरह वह दुनिया के लोकप्रिय नेता बन कर उभरे हैं, आज वह दुनिया के एक बड़े लीडर हैं। लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इसे स्वीकार नहीं कर पा रही है। केन्दीय मंत्री ने त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय में आए चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस का एक बार फिर सूपड़ा साफ हो गया है।

पूर्वोत्तर के नतीजे शायद राहुल गांधी को पहले से ही पता थे लेकिन वो जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और न ही एक के बाद एक मिल रही हार को स्वीकार कर पा रहे हैं।

ठाकुर ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी बार-बार विदेशी धरती से भारत को बदनाम करने की कोशिश करते हैं।

विदेशी मीडिया, विदेशी एजेंसियो और विदेशी दोस्तों का इस्तेमाल कर भारत को बदनाम करना उनकी आदत बन गई है। इससे सवाल खड़ा होता है कि आखिर कांग्रेस का एजेंडा क्या है?

दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पर्यटन को दी जा सकती हैं नई ऊंचाइयां : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में दूर-दराज इलाकों के गांवों के भी अब पर्यटन के नक्शे पर आ जाने का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि लीक से हटकर सोच और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि कैसे इस साल का बजट पर्यटन मंत्रालय का सहयोग करेगा और युवाओं के लिए कई आर्थिक अवसर पैदा करेगा।

पर्यटन का मिशन मोड में विकास विषय पर आयोजित बजट-पश्चात वेबिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने पर्यटन स्थलों पर बहुभाषी सूचना बोर्ड लगाने की जरूरत रेखांकित की। इसके अलावा उन्होंने ऐसे ऐप विकसित करने पर जोर दिया, जिनमें देश की विभिन्न भाषाओं में सूचना दी गई हो।

उन्होंने कहा, यह वेबिनार पर्यटन क्षेत्र में बदलाव के लिए है, और जब सभी संबंधित लोग साथ आते हैं तो हमें अपना मनचाहा परिणाम तय समय के अंदर मिल जाता है।

मोदी ने कहा, कुछ लोग सोचते हैं कि पर्यटन एक काल्पनिक शब्द है, जो सिर्फ उच्च आयवर्ग के लोगों के लिए है। लेकिन भारत में, इसका लंबा सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, लीक से हटकर सोच और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि धार्मिक स्थलों की वजह से पर्यटन क्षेत्र में भारी उछाल आया है और पिछले साल सात करोड़ लोग काशी विश्वनाथ मंदिर गए।

यह वेबिनार सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे 12 बजट-पश्चात वेबिनारों का एक हिस्सा है। इसके पीछे सरकार का लक्ष्य आम बजट में घोषित की गई योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न सुझाव और परामर्श लेना है।

आम बजट में कहा गया है कि पर्यटन को बढ़ावा मिशन मोड में दिया जाएगा, जिसमें राज्यों की सक्रिय भागीदारी होगी, सरकारी कार्यक्रम चलाए जाएंगे और सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर भी काम किया जाएगा।

वेबिनार में मोदी ने कहा कि अगर जनसुविधाएं बढ़ी हैं, डिजिटल कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, होटल और अस्पताल बेहतर हुए हैं और स्वच्छता पर ध्यान दिया जा रहा है तो भारतीय पर्यटन क्षेत्र में कई गुना वृद्धि हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पसंदीदा स्थानों या ऐतिहासिक महत्व के स्थानों पर विवाह (वेडिंग डेस्टिनेशन) करने का चलन बढ़ रहा है और भारत में इसकी भारी संभावनाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें ऐसे कम से कम 50 पर्यटन केंद्र विकसित करने होंगे, जो भारत आने की योजना बना रहे किसी भी पर्यटक के दिमाग में सबसे पहले आएं।

चीन के साथ मिलकर शेल कंपनियां चला रहे हैं विनोद अडानी, जांच कराए सरकार : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को उद्योगपति गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी पर चीन के नागरिकों के साथ मिलकर शेल कंपनियां चलाने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार को उनकी मदद करने की जगह पूरे मामले की जांच करानी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अपने सवालों की सीरीज हम अडानी के हैं कौन की उप श्रृंखला दिख रहा है विनोद के तहत प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी से कुछ प्रश्न कर रहे हैं।

जयराम रमेश ने दावा किया, अडानी समूह के चीन के साथ पुराने संबंध है। एक चीनी नागरिक चांग चुंग-लिंग (उर्फ लिंगो-चांग) विनोद अडानी के साथ अडानी समूह की कई कंपनियों में निदेशक रहा है और पनामा पेपर्स में भी उसका नाम आया था। दिसंबर 2017 में दक्षिण कोरिया द्वारा पनामा में पंजीकृत तेल टैंकर कोटि को उत्तर कोरियाई टैंकर में पेट्रोलियम उत्पादों को स्थानांतरित करने के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए जब्त कर लिया था।

उन्होंने सवाल किया, अडानी परिवार के साथ चांग चुंग-लिंग के संबंधों की वास्तविकता क्या है? चीन और उत्तर कोरिया की सरकारों का उस समूह पर कितना प्रभाव है, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भारतीय परिसंपत्तियों को नियंत्रित करता है और भारत के प्रधानमंत्री के साथ जिसके घनिष्ठ संबंध है? क्या आप चीन और उत्तर कोरिया के प्रभाव के प्रति संवेदनशील एक व्यापारिक समूह पर अपनी दुस्साहसपूर्ण निर्भरता के कारण अति महत्वपूर्ण भारतीय संपत्तियों की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाल रहे हैं?

उन्होंने आरोप लगाया कि विनोद अडानी चीन के नागरिकों के साथ मिलकर शेल कंपनियां चला रहे हैं। रमेश ने कहा कि सरकार को विनोद अडानी की मदद करने की बजाय आरोपों की जांच करानी चाहिए। उन्होंने यह भी पूछा, अडानी समूह के अवैध गतिविधियों में शामिल चीनी नागरिकों के साथ इतने गहरे संदेहास्पद संबंध क्यों हैं? विनोद और गौतम अडाणी के साथ उनका क्या रिश्ता है?

जयराम रमेश ने दावा किया, अडानी समूह ने बार-बार दायर अपने दस्तावेजों में विनोद अडानी को साइप्रस की नागरिकता वाले एक एनआरआई के रूप में दर्शाया है। फिर भी दुबई में संपत्ति के रिकॉर्ड कथित तौर पर यह दिखाते हैं कि विनोद अडानी के पास भारतीय पासपोर्ट है, जिसकी वैधता 2026 तक है।

उन्होंने सवाल किया, इस तथ्य को समझते हुए कि भारत में दोहरी नागरिकता मान्य नहीं है, विनोद अडानी के पास भारतीय पासपोर्ट होना कैसे संभव है? क्या सरकार को चीनी नागरिकों की मिलीभगत से मनी-लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) और शेल कंपनियों (मुखौटा कंपनियों) के संचालन के आरोपी व्यक्ति की जांच नहीं करनी चाहिए?

कांग्रेस अमेरिकी वित्तीय शोध संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद से अडानी समूह और प्रधानमंत्री पर लगातार हमले कर रही है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के खिलाफ फर्जी तरीके से लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर सहित कई आरोप लगाए थे। अडानी समूह ने इन आरोपों को झूठा करार देते हुए कहा था कि उसने सभी कानूनों और प्रावधानों का पालन किया है।

राजस्थान में भारी बहुमत से बनेगी बीजेपी की सरकार : साक्षी महाराज

सीकर, 03 मार्च (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव से भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने शुक्रवार को राजस्थान चुनाव 2023 को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अंत में होने वाले राजस्थान प्रदेश के चुनाव में भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछले चुनाव में जनता ने जो गलती की थी उसका वह एहसास कर चुकी है। सांसद जिले के लक्ष्मणगढ़ में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। बता दें कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार कांग्रेस की सरकार फिर से बनने की बात कहते आ रहे हैं। और साक्षी महाराज का ये दावा उनकी उम्मीदों के खिलाफ है। हालांकि बीजेपी की सरकार क्यों बनेगी इसका कारण भी साक्षी महाराज ने बताई है।

इस अवसर पर उन्होंने कहा 3 राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिसका महामंत्र है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सब का प्रयास। इस महामंत्र के साथ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की गंगा बह रही है।

उन्होंने राजस्थान में भाजपा की आंतरिक स्थिति पर स्पष्ट तौर पर कहा कि यहां किसी भी प्रकार का विरोधाभास नहीं है। इसके बावजूद मोदी का मैजिक इस प्रदेश में चलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने प्रदेश की गहलोत सरकार के काम

का जो को दिखावा बताया और कहा कि धरातल पर कुछ भी नहीं है। यह बात जनता भली-भांति जान चुकी है। सांसद साक्षी महाराज लक्ष्मणगढ़ में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए हुए थे। उनका भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय मिलेट इयर पर दो दिवसीय अभियान सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 मार्च। अंतराष्ट्रीय मिलेट इयर के उपलक्ष्य पर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) तथा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अभियान का आज यहां समापन हो गया।

इस अवसर पर समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए सूचना, शिक्षा एवं संचार आईईसी अधिकारी श्रीमती शर्मिला राई ने प्रसिद्ध कहावत 'स्वास्थ्य ही धन है' का उल्लेख करते हुए स्वस्थ जीवन जीने के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं उन्होंने मिलेट के लाभों के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं से बचने के लिए इसका उपयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मिलेट के लाभों पर एक पैनल चर्चा भी की गई जिसमें वक्ता के तौर पर संयुक्त कृषि निदेशक श्रीमती सुषमा प्रधान, छिरिंग ग्याछो लेप्चा, प्राणम रिटेल ओडिशा के अविनाश नामधारी और उत्तर सिक्किम के लुम के एक किसान ने वक्तव्य रखा। वहीं इस दौरान हाम्रो परिवार एनजीओ द्वारा पारंपरिक नृत्य और गीत का प्रदर्शन किया गया।

इसके अलावा कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। इसमें नारा लेखन, पोस्टर बनान, प्रश्न पूछना, खाना बनाना आदि श्रेणियों के प्रतियोगी शामिल रहे।

तीन दिवसीय एक्सपोजर ट्रिप रवाना

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 03 मार्च। मुख्य शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती राधा पोडयाल ने मंगन जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए 3 दिवसीय एक्सपोजर ट्रिप को झंडी दिखाकर रवाना किया।

3 से 5 मार्च तक 3 दिवसीय एक्सपोजर ट्रिप में मंगन जिले के माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कुल 35 छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं।

वे अपने साथ आए दो शिक्षकों के साथ नामची और गेजिंग जिले का दौरा करेंगे।

एफएलएंडएन दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरु

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 03 मार्च। सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग एवं एससीईआरटी की पहल पर सोरेंग और चुंबोंग बीएसी के अंतर्गत स्कूलों के स्कूल प्रमुखों एवं शिक्षकों के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएंडएन) पर दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आज से टिम्बरबुंग सेकेण्डरी स्कूल में शुरू हुआ।

कल तक चलने वाले इस कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सोरेंग और चुंबोंग बीएसी के तहत सभी स्कूल प्रमुख उपस्थित थे। दो दिनों के इस कार्यक्रम के दौरान एससीईआरटी की रिसोर्स पर्सन सहायक प्रोफेसर डॉ. चंद्रानी छेत्री, श्रीमती रोशनी शर्मा और सोरेंग सीनियर सेकेण्डरी स्कूल से टीआर कार्की सत्र को सम्बोधित करेंगे।

आज के कार्यक्रम में सहायक निदेशक इचिंग सुब्बा, एईओ श्रीमती सांता शर्मा, समन्वयक गोविंद ढकाल, डीबी प्रधान, सीआरसीसी श्रीमती पूनम सुब्बा उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन के एक हिस्से के तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एफएलएन के लिए निपुण भारत मिशन शुरू किया है।

एफएलएन का उद्देश्य बच्चों में खेल, कहानियों, कविताओं, स्थानीय कला, शिल्प व संगीत तथा गतिविधियों के माध्यम से उनकी शिक्षा को मनोरंजक बनाना और आजीवन सीखने के लिए मजबूत नींव विकसित करना है।

इसके अलावा मिशन के अंतर्गत सीखने के परिणामों की रूपरेखा तैयार करने के साथ ही समग्र विकास हेतु प्रीस्कूल से तीसरी कक्षा तक प्रगतिशील डिजाइन तैयार किए गए हैं। इसके तहत वर्ष 2026-27 तक शत-प्रतिशत मूलभूत साक्षरता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डेंताम डेयरी प्लांट का निदेशक डॉ. पी. सेंथिल कुमार ने किया मुआयना

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 मार्च। सिक्किम सरकार के पशुपालन व पशु चिकित्सा विभाग और राज्य कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन डेंताम डेयरी प्लांट को पुनर्जीवित, विकसित और मजबूत करने के तरीकों पर काम कर रहा है। इसी कड़ी में राज्य के पशुपालन व पशु चिकित्सा सचिव सह मिल्क यूनियन प्रबंध निदेशक डॉ. पी. सेंथिल कुमार ने यूनियन अधिकारियों के साथ गुरुवार को प्लांट का दौरा किया।

इस दौरान फिल्ड दौरे में दल ने संयंत्र के पुनरुद्धार तथा इसका उपयोग कर राज्य में छोटे पैमाने पर जैविक दुग्ध उत्पादन शुरू करने की रणनीतियों की तलाश की। वहीं संयंत्र की गतिविधियों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता

का भी आकलन करते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। इस अवसर पर पशुपालन व पशु चिकित्सा सचिव ने उस क्लस्टर में दूध की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के समर्थन हेतु चर्चा और रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन प्रदान किया।

इसके अलावा, दल ने जैविक डेयरी उत्पादन प्रणाली के हित में शीघ्र ही चारा विकास हेतु एक किसान उत्पादक संगठन बनाने के लिए स्थान का भी चयन किया और देंताम में दूध और दुग्ध उत्पादों की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन हेतु भवन, डेयरी संयंत्र सहित बुनियादी ढांचे की सुविधा का निरीक्षण किया। बताया गया कि इसे लेकर उपयुक्त धनराशि प्राप्त करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की जा रही है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

उत्तर दिनाजपुर निवासी ने

₹ 1 करोड़ जीते

उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल के श्री मिठू देबशर्मा ने **14.01.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **40K 17110** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''जब मुझे पता चला कि मेरे द्वारा खरीद गई डियर लॉटरी टिकट ने पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीत लिए हैं तो यह एक आश्चर्य था। इस सुनहरे अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं इस पुरस्कार राशि का उपयोग अपने परिवार की बेहतरी के लिए करूंगा।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com